आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ ...

यश भारत

● वर्ष- 16 अंक 345 -● जबलपुर ● बुधवार, 18 जनवरी, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ कृष्ण पक्ष 12 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

गुरदासपुर के उंचा टकला गांव से BSF को मिले चीनी हथियार

नई दिल्ली, ईएमएस। सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब के गुरदासपुर के उंचा टकला गांव में 17-18 जनवरी की दरम्यानी रात हथियार बरामद किए। ये हथियार पाकिस्तानी ड्रोन ने गिराए थे। इनमें 4 चीनी पिस्तौल, 8 मैगजीन और 47 जिंदा कारतूस थे।

केरल के रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद 68 लोग हुए बीमार

एर्नाकुलम, एजेंसी। केरल के एर्नाकुलम जिले के एक रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद 68 लोग बीमार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी का हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं रेस्टोरेंट के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

केंद्र ने S C में किया सिमी से बैन हटाने का विरोध

कहा- यह आतंकी संगठन

नई दिल्ली, ईएमएस। केंद्र सरकार ने स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया पर लगा प्रतिबंध हटाने की याचिका का सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया है। याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय में बुधवार को सुनवाई हुई, जिसमें केंद्र की ओर से जारी हलफनामे में कहा गया कि सिमी आतंकी संगठन है। बता दें, केंद्र सरकार ने 2019 में पांच साल के लिए सिमी पर बैन लगाया था। इसके खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने याचिका को निराधार बताते हुए हलफनामा दायर किया।हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा, सिमी आतंकी संगठन है और बैन के बावजूद इसके लोग सक्रिय हैं। गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त हैं। ये नेता लगातार मिल रहे हैं और बैठकें कर रहे हैं। ऐसे में प्रतिबंध हटाना गलत होगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से दायर हलफनामे में यह भी कहा गया है कि सिमी का लक्ष्य इस्लाम के प्रचार-प्रसार में युवाओं को जुटाना और जेहाद के लिए उकसाना है।सिमी इस्लामी इंकलाब का नारा देते हुए शरीयत आधारित इस्लामी शासन का गठन करने की दिशा में काम कर रहा है। सिमी के लोग भारतीय संविधान पर विश्वास नहीं करते हैं।ये लोग मूर्ति पूजा को पाप मानते हैं और ऐसी प्रथाओं को समाप्त करने का प्रचार करते हैं। सिमी की वित्तीय स्थिति अच्छी है और इस संगठन को आर्थिक मदद मिल रही है।बता दें, सिमी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में सक्रिय था। आतंकी गतिविधियों में इसके लोगों के लिप्त होने के बाद केंद्र सरकार ने प्रतिबंध लगाया था। इसके बाद भी सिमी से जुड़े लोग शांत नहीं बैठे हैं। नया संगठन बनाए जाने की कोशिश की।हाल ही में मध्य प्रदेश के खंडवा से रकीब को गिरफ्तार किया गया। पता चला है कि यह शख्स पहले भी आतंकी गतिविधियों में लिप्त था और अभी आईएसआईएस के सम्पर्क में था।

सबको सम्मान से मरने का अधिकार

इच्छामृत्यु के नियम सुधार को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इच्छा मृत्यु की बेहद पेचीदा प्रक्रिया में संसोधन के संकेत दिए हैं। मंगलवार को एक टिप्पणी में सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने कहा कि गरिमा के साथ मौत उन लोगों का अधिकार है जिन्होंने लिविंग विल बनाई है. हालांकि कोर्ट ने इसे विधायिका के ऊपर डाला है कि वह गंभीर रूप से बीमार वे रोगी, जो इलाज नहीं चाहते, उनके लिए कानून बनाए। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय पीठ ने कहा, ये अदालत गरिमा के साथ मरने के अधिकार को मौलिक अधिकार और अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) के एक पहलू के रूप में मान्यता दे चुकी है, ऐसे में इसे और बोझिल नहीं बनाते हैं. यह विचार फैसले को व्यावहारिक बनाने का है। इसके साथ ही कोर्ट ने अपने 2018 के फैसले में संसोधन के संकेत दिए हैं। पीठ में जस्टिस अजय रस्तोगी, अनिरुद्ध बोस, हृषिकेश रॉय और सीटी रविकुमार भी शामिल थे. कोर्ट ने कहा कि 2018 के फैसले में मरणासन्न रोगियों की ओ से बनाई गई इच्छा मृत्यु की लिविंग विल में दिशानिर्देशों को निर्धारित करने के लिए थोड़ा सुधार की आवश्यकता है ताकि उनके जीवन के अधिकार को अधिक विस्तार मिल सके।

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से कहा, यात्रा से पहले दो दिन का दौरा करें, गांवों में होंगे हितग्राही सम्मेलन

प्रदेश में रविदास जंयती से शुरू होगी विकास यात्रा, तीन सप्ताह चलेगी

भोपाल ,यशभारत। प्रदेश में अब विकास यात्रा एक फरवरी की जगह पांच फरवरी को संत रविदास जयंती से प्रारंभ होगी। यह 25 फरवरी तक यानी तीन सप्ताह चलेगी और इसमें विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों में हितग्राही सम्मेलन होंगे। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लिए जिनका चयन किया गया है, उन्हें लाभांवित किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकास यात्रा की कार्ययोजना को लेकर मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक में बताई। साथ ही मंत्रियों को निर्देश दिए गए कि वे यात्रा प्रारंभ होने से पहले दो दिन का दौरा करके अच्छे से तैयारी कर लें।मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा कि कलेक्टर प्रभारी मंत्रियों के साथ बैठक करके यात्रा का मार्ग तय कर विकास यात्रा की तैयारी शुरू करें। जिला मुख्यालय और विकासखंड मुख्यालयों में भी मंत्रियां के दौरे होंगे। इसमें हितग्राहियों को लाभ वितरण के साथ उनसे चर्चा कर योजनाओं के बारे में जानकारी ली जाएगी। जो काम पूरे हो चुके हैं, उनका लोकार्पण किया जाएगा। साथ जो काम होने हैं, उनका शिलान्यास भी होगा। इसकी सूची सभी मंत्रियों को उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के माध्यम से जो हितग्राही चिन्हित किए गए हैं, उन्हें स्वीकृति पत्र दिए जाएंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राहियों के सम्मेलन भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों से कहा कि विकास यात्रा में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र अधिक से अधिक शामिल हों, यह सुनिश्चित किया जाए।

पठान विवाद के बीच आया पीएम मोदी का बड़ा बयान

पार्टी नेताओं को सुना दिया फरमान

बेवजह की बयानबाजी से बचने की सलाह

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा नेताओं को सलाह दी है कि वह फिल्मों पर बेवजह की बयानबाजी से बचें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 16-17 जनवरी को दिल्ली में आयोजित हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रधानमंत्री ने ये बातें कही। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कुछ फिल्मों पर बयानबाजी कर रहे हैं, जो कि मीडिया पर पूरे दिन चलाए गए। पीएम मोदी ने पार्टी नेताओं को बेवजह की बयानबाजी से बचने की सलाह दी। बता दें कि प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब देश में शाहरुख खान की फिल्म पठान को लेकर विवाद चल रहा है। दरअसल पठान फिल्म के एक गाने में दीपिका पादुकोण को भगवा जैसे रंग की बिकनी में दिखाने पर विवाद है, जिसके चलते भाजपा के कई नेताओं ने पठान फिल्म को बैन तक करने की मांग कर दी थी। बता दें कि महाराष्ट्र भाजपा के नेता राम कदम ने सवाल खड़े करते हुए पूछा था कि क्या फिल्म को सस्ती लोकप्रियता दिलाने के लिए यह सब किया गया या फिर सोची समझी साजिश के तहत यह विवाद खड़ा किया गया है। राम कदम ने यह भी कहा कि अगर कोई फिल्म या टीवी धारावाहिक हिंदू समाज की भावनाओं का अपमान करता है तो उसे महाराष्ट्र में प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जाएगी। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी पठान विवाद पर बयान दिया था। उन्होंने मांग की थी कि फिल्म से आपत्तिजनक दृश्यों को हटाया जाए वरना फिल्म को मध्य प्रदेश में प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जाएगी। बिहार समेत अन्य राज्यों में भी पठान फिल्म के गाने को लेकर आपत्ति जताई गई। बिहार में भाजपा नेता हरि भूषण ठाकुर बचौल ने तो राज्य में पठान फिल्म की रिलीज को ही रोकने की मांग कर दी थी। उन्होंने कहा कि भगवा रंग हमारे धर्म का प्रतीक है। यह फिल्म सनातन संस्कृति को कमजोर करने की घटिया कोशिश है।

चुनाव आयोग की प्रेसवार्ता आज

नागालैंड-मेघालय, त्रिपुरा में चुनावी तारीखों का हो सकता है एलान

नई दिल्ली, ईएमएस। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग आज प्रेसवार्ता करने वाला है। संभव है कि चुनाव आयोग नागालैंड, मेघालय और त्रिपुरा में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करे। इसको लेकर चुनाव आयोग दोपहर 2.30 बजे प्रेसवार्ता करेगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में इस बार भी चुनाव आयोग एक साथ चुनाव करा सकता है। आयोग ने तीनों राज्यों में चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। अब कभी भी इन राज्यों की विधानसभा चुनाव के लिए आयोग तारीखों का एलान कर सकता है। आयोग ने तीनों राज्यों की 180 विधानसभा सीटों पर प्रशासनिक और जमीनी चुनावी तैयारियों का आकलन कर उन्हें अमली जामा पहना दिया है। इनकी विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च में समाप्त हो रहा है। मालूम हो कि इस साल नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मिजोरम, राजस्थान, तेलंगाना शामिल है। इसके ठीक बाद अगले साल यानी 2024 की शुरुआत में लोकसभा चुनाव होना है।

5 प्रश कर्मचारियों को बाहर करेगी माइक्रोसॉफ्ट

हजारों को थमाई जाएगी पिंक स्लिप

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ दुनिया में कोरोना महामारी का खौफ कायम है, वहीं कर्मचारियों की छंटनी की खबरें भी लगातार आ रही हैं। ताजा खबर दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट से है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने स्काई न्यूज का हवाला देते हुए बताया है कि कंपनी ने अपने 5 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने का फैसला कर लिया है। दुनियाभर के अलग-अलग देशों में सेवाएं दे रहे इन कर्मचारियों को किसी भी वक्त पिंक स्लिप थमाई जा सकती है। स्ह्लष्ह्शह्यश्वद्धह्ल जैसी कंपनी में 5 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी का मतलब हजारों कर्मचारियों की नौकरी जाना है। कहा जा रहा कि मानव संसाधन और इंजीनियरिंग डिवीजनों में नौकरियों में कटौती की उम्मीद है।बता दें, हाल के दिनों में कर्मचारियों की छंटनी की खबरें लगातार आई हैं। इस लिस्ट में अब माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनी का नाम भी जुड़ गया है।

हमने नफरत के खिलाफ यात्रा शुरू की है : राहुल

भारत जोड़ो यात्रा हिमाचल में : गूंज रहे देख जवानी है कुर्बान, राहुल गांधी तेरे नाल के नारे

इंदौरा(कांगड़ा), ईएमएस। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज हिमाचल में चल रही है। कांगड़ा जिले के इंदौरा के मीलवां के रास्ते यह पदयात्रा देवभूमि में प्रवेश हुई। इस दौरान फ्लैग एक्सचेंज सेरेमनी के बाद राहुल गांधी पैदल चल रहे हैं। राहुल गांधी के साथ चल रहे युवा यात्री देख जवानी है कुर्बान, राहुल गांधी तेरे नाल नारे लगा रहे हैं। राहुल गांधी आज दिन भर करीब 24 किलोमीटर की पदयात्रा के बाद राहुल गांधी इंदौरा के मलौट में एक जनसभा संबोधित करके प्रदेश कांग्रेस में जोश भरेंगे। मुख्यमंत्री सुक्खू ने हिमाचल का चिन्ह टोपी राहुल गांधी को पहना स्वागत किया। यात्रा शुरू करने से पहले मंच से राहुल गांधी ने कहा कि हमने नफरत के खिलाफ यात्रा शुरू की है। देश में बेरोजगारी और महंगाई दो मुद्दों को भी लेकर यह यात्रा शुरू की है। 3-4 लोगों के लिए सरकार चलाई जा रही है। हमारे देश के युवा, किसान और गरीबों के लिए कुछ नहीं कर रही हैं। सब देश के सबसे बड़े अरबपतियों की मदद के लिए यह सब करती है। जनता के दिल को समझने की कोशिश कर रहे हैं। हम हिमाचल से निकल रहे हैं, हमने हिमाचल के लिए रूट बदल दिया। दुख है कि हम हिमाचल में कम रुक पाए। लेकिन जम्मू कश्मीर 30 जनवरी तक पहुंचना है।

अफगानिस्तान में शरिया राज

तालिबान ने काटे चार चोरों के हाथ नौ दुष्कर्मियों पर बरसाए कोड़े

नई दिल्ली एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान को सत्ता कब्जाए करीब डेढ़ साल का वक्त हो गया है। सत्ता पर काबिज होने के बाद तालिबान ने दुनिया से वादा किया था कि अब दुनिया को बदला हुआ तालिबान देखने को मिलेगा लेकिन सत्ता कब्जाते ही तालिबान ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया है। बता दें कि एक रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने शरिया कानून के तहत चोरी और पुरुषों से दुष्कर्म के आरोपियों को सरेआम कोड़े बरसाने की सजा दी। इतना ही नहीं तालिबान ने चोरी के आरोपी चार लोगों के फुटबॉल स्टेडियम में हाथ काट डाले। तालिबान के इस कृत्य की अब आलोचना शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफगानिस्तान के कांधार प्रांत में अहमद शाही स्टेडियम में चोरी और पुरुषों से दुष्कर्म के नौ आरोपियों पर प्रांत के गवर्नर हाजी जैद की मौजूदगी में 35-40 कोड़ बरसाए और चोरी के चार आरोपियों के हाथ काट दिए। बीते साल दिसंबर में तालिबान ने एक व्यक्ति को सरेआम फांसी पर लटका दिया था। अमेरिका के तालिबान से जाने के बाद से यह अफगानिस्तान में पहली सार्वजनिक फांसी की सजा थी। ब्रिटेन की शरणार्थी मंत्री और अफगानिस्तान मामलों की जानकार शबनम नसीमी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि तालिबान में लोगों को बिना निष्पक्ष सुनवाई के मारा-पीटा और मौत की सजा दी जा रही है।

हीरा व्यापारी की 9 साल की बेटी बनी संन्यासी

सूरत, ईएमएस। सूरत के हीरा व्यापारी संघवी मोहन भाई की पोती और धनेश-अमी बेन की 9 साल की बेटी देवांशी ने संन्यास ले लिया। देवांशी का दीक्षा महोत्सव वेसू में 14 जनवरी को शुरू हुआ था। आज यानी बुधवार को सुबह 6 बजे से उनकी दीक्षा शुरू हो चुकी है। देवांशी ने 35 हजार से ज्यादा लोगों की मौजूदगी में जैनाचार्य कीर्तियशसूरीश्वर महाराज से दीक्षा ली। देवांशी के परिवार के ही स्व. ताराचंद का भी धर्म के क्षेत्र में एक विशेष स्थान था। उन्होंने श्री सम्मेदशिखर का भव्य संघ निकाला और आबू की पहाडियों के नीचे संघवी भेरूतारक तीर्थ का निर्माण करवाया था।सूरत में ही देवांशी की वर्षीदान यात्रा निकाली गई थी। इसमें 4 हाथी, 20 घोड़े, 11 ऊंट थे। इससे पहले मुंबई और एंट्वर्प में भी देवांशी की वर्षीदान यात्रा निकली थी।

सिंधु नेत्रालय तीर्थधाम 44वें नेत्र एवं उपचार शिविर का समापन

500 मरीजों की जांच , 280 से अधिक मरीजों के ऑपरेशन

जबलपुर यशभारत। सिंधु नेत्रालय तीर्थधाम जिलहरीघाट में 44वें नेत्र एवं उपचार शिविर में इस बार भी रिकार्ड मरीज पहुंचे । शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 500 मरीजों की जांच की और दो दिनों में 280 से अधिक मरीजों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए गए । शिविर का समापन मंगलवार को हुआ। समिति के अध्यक्ष डॉ. केसी देवानी ने बताया दक्ष चिकित्सकों की टीम द्वारा किए गए सभी ऑपरेशन सफल रहे। मरीजों को शिविर के दूसरे दिन डिस्चार्ज भी कर दिया गया है। चिकित्सकों ने शिविर में शामिल हुए लोगों को आगे कैसे नेत्र का पूरा ख्याल रखना है इसकी पूरी दी। जिन मरीजों को केवल परामर्श की जरूरत थी उनको परामर्श भी दिया गया। मरीजों ने समिति पदाधिकारियों और चिकित्सकों को आशीर्वाद दिया और उनके सेवा वे अभिभूत हुए । उल्लेखनीय है कि सिन्धु नेत्रालय डायलिसिस सेंटर एवं तीर्थधाम, जिलहरीघाट, जबलपुर में परमपूज्य संत स्वामी हिरदाराम जी साहिब की प्रेरणा एवं स्वी रामदास जी के आर्शीवाद से सिन्धु नेत्र सेवा समिति द्वारा 44वें निःशुल्क नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन दादा पारुमल रीझवानी की स्मृति में तीर्थधाम स्थित सिन्धु नेत्रालय में किया गया था। मरीजों की आंखों की जांच डॉ. मधु चंचलानी, डा. कमला लालवानी, डॉ.मनीला खत्री आदि ने की । पहले मरीजों की जांच की गई और जिन्हें मोंतियाबिंद था उन्हें भर्ती कर आपरेशन उपरांत नेत्र लेंस प्रत्यारोपिज किये गए । शिविर में मरीजों के आपरेशन, दवाईया, चश्में, आवास, भोजन, आदि की निःशुल्क व्यवस्था समिति द्वारा की गई। समिति के अर्जुन पुरसवानी, विजय उपवानी, हरीश रीझवानी, प्रकाश सदानी, दीपक असरानी, महेश पुरसवानी आदि ने शिविर में भरपूर सहयोग दिया।

जगद्गुरु स्वामी श्री राघव देवाचार्य का जन्मोत्सव आज

जबलपुरयशभारत। परम पूज्य भगवान आद्य जगतगुरु रामनदाचार्य जी की 723 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एवं परम पूज्य जगद्गुरु सुखानंद स्वामी श्री राघव देवाचार्य महाराज का जन्मोत्सव हर्ष और उत्साह पूर्वक श्री राघव शिष्य मंडल द्वारा सगड़ा स्थित अदिति लॉन में दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक मनाया जायेगा । कार्यक्रम में पूज्य संतगण, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान,केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, फ़ग्गन सिंह कुलस्ते,कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव, विश्वास सारंग एवं अन्य मंत्री गण उपस्थित रहेंगे।जिसमे श्री राघव शिष्य मंडल परिवार ने सनातनी संस्कारधानी वासियों से उपस्थिति की अपील की है।

स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड में 23 लाख के विकास कार्यो का भूमिपूजन

जबलपुर,यशभारत। नगर निगम के द्वारा आज स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड में 23 लाख रूपये की लागत से विकास कार्यो का शुभारंभ किया गया। विकास कार्यो का भूमिपूजन क्षेत्रीय वार्ड पार्षद श्रीमती लवलीन आनंद के द्वारा किया जाकर कार्य प्रारंभ कराया गया। भूमिपूजन के संबंध में दयानंद सरस्वती वार्ड के पार्षद श्रीमती लवलीन आनंद ने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड के अंतर्गत शिवाजी ग्राउंड के पास से डॉ. बराड रोड तक सड़क डामलीकरण का 23 लाख रूपये की लागत से निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

नीलांजना नृत्य देख युवराज आदिकुमार को आया वैराग्य

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में तप कल्याणक

जबलपुर, यशभारत। सकल दिगंबर जैन समाज, रांझी के तत्वावधान में इंजीनियरिंग कॉलेज छात्रावास परिसर में आयोजित श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक जिनबिम्ब प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान मंगलवार को तप कल्याणक की क्रियाएँ संपन्न हुईं। इस अवसर पर विधायक श्री अशोक रोहाणी ने कहा कि मैं धन्य हो गया मेरे क्षेत्र में इतना बड़ा कार्यक्रम हो रहा है नीलांजना नृत्य देख युवराज आदिकुमार को वैराग्य आ गया। इस दौरान लौकान्तिक देव-आगमन, युवराज भरत बाहुबलि राज्य तिलक, दीक्षा अभिषेक, दीक्षा वन गमन, दीक्षा कल्याणक संस्कार विधि हुई। रात्रि में भरत महाराज के राजदरबार का दृश्य देख दर्शक मुग्ध हुए। अर्हं योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज एवं मुनिश्री चंद्रसागर महाराज के सान्निध्य सभी आयोजन हुए।

विधायक एवं सिख समाज का अभिनंदन

ब्रह्मचारी विनय भैया बंडा के मार्गदर्शन में प्रातः पात्र शुद्धि, अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन, जन्म कल्याणक पूजन, शांति हवन, आचार्य श्री का पूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक अशोक रोहाणी एवं सिख समाज रांझी का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ब्रहमेन्द्र इन्द्र अभिषेक रितु जैन, बृहमोन्तर इन्द्र आशीष हेमलता जन, लान्तव इन्द्र अमित राजुल जैन, कापिल इन्द्र साकेत प्रिया जैन, शुक्र इन्द्र प्रदीप सपना जैन, प्राणत सचिन मीना जैन, आनत मनोज शिप्रा जैन मौजूद रहे।

मातृत्व प्राप्ति के लिए किन्नर संतो के द्वारा गोद भराई

एवं सुहागले हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में 22 जनवरी रविवार को

जबलपुर, यशभारत। भेड़ाघाट स्थित हरे कृष्णा आश्रम में चल रहे निहसुलक माघ मास कल्पवास के 8 वे वर्स मैं 22 जनवरी रविवार प्रातः 9-00 बजे से 5000 महिलाओं की सुहागले एवं गोद भराई का कार्यक्रम पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी पूज्य मैत्री दीदी के सानिध्य में नशा मुक्ति का संकल्प के साथ संपन्न होगा जिसमें मंगला मुखी समाज की हीरादीदी कैट शर्मा बबली तिवारी काजल दीदी करिश्मा चौहान के द्वारा जिन माताओं बहनों को शादी उपरांत मातृत्व की प्राप्ति नहीं हुई है किन्नर संतो के द्वारा गोद भराई की रस्म पूरी की जाएगी अभी तक सैकड़ों माताओं को इसका लाभ मिल चुका है कार्यक्रम उपरांत प्रसादी की व्यवस्था रहेगी उपस्थिति की अपील श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल ने की है।

निरंकारी भक्ति पर्व समागम

प्रतिपल समर्पित भक्ति भाव से भरा जीवन ही एक उत्सव

जबलपुर, यशभारत। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज जबलपुर, 18 जनवरी 2023 प्रति समर्पित भाव से जीवन जीने का नाम हो भक्ति है जिसमें जीवन का हर पल उत्तव के समान बन जाता है। उक्त उद्गार निरंकारी सद्गुरु मात दीक्षा जी महाराज द्वारा निरकारी आध्यात्मिक स्थल समाला (हरियाना) में आयोजित भक्ति पर्व समागम के विशेष सत्सग समारोह के अवसर पर एकत्रित विशाल जन समूह को सम्बोधित करते हुए कहे। उन्होंने भावना से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम का लाभ लेने हेतु दिल्ली ए एन सी आर सहित अन्य स्थानों से भी हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित हुए। यह पर्व समूचे विश्व में मनाया गया।

ड्यूटी पर रहते जमानत की अर्जी ,वह भी खारिज

जबलपुर यशभारत।आयुध निर्माणी खमरिया के फिलिंग-2में पदस्थ एक कर्मचारी प्रकाश दुबे जिसने अपना फर्जी भाई खड़ा करके अपने असली भाई के हिस्से की जमीन अपने नाम करा ली।जानकारी लगने पर भाई ने जब न्यायालय की शरण गया तो खमरिया कर्मी ने सेशन कोर्ट से अग्रिम जमानत लेने की कोशिश की।लेकिन सेशन कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए जमानत की अर्जी खारिज कर दी।कर्मी ने इसके बाद एडीशनल डिस्ट्रिक्ट जज की अदालत में अर्जी दाखिल की।लेकिन एडीजे ने भी निचली अदालत का फैसला सही मानते हुए अग्रिम जमानत देने से मना कर याचिका खारिज कर दी और उसे25 फरवरी को उपस्थित होने के लिए जमानती वारंट जारी किया है। जानकारी के अनुसार खमरिया कर्मी प्रकाश दुबे ने अपने भाई दीपक दुबे के नाम से फर्जी हलफनामा बनवा कर उसके हिस्से की अचल संपत्ति अपने नाम करा ली।जबकि दीपक दुबे जो बैंक कर्मी है उसको जानकारी भी नहीं थी वह बैंक में ड्यूटी पर रहा।इसका प्रमाण बैंक का सीसीटीवी कैमरे में है।इसी आधार पर दीपक दुबे ने जब मामला न्यायालय में दाखिल किया तो खमरिया कर्मी भाई ने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया।जबकि वह उस दिन निर्माणी में ड्यूटी पर था।तब सवाल है कि उसी दिन वह साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर कैसे उपस्थित हो गया।या तो निर्माणी मे फर्जी हाजिरी दर्ज कराई या फिर कोर्ट में फर्जी प्रकाश दुबे उपस्थित हुआ है।इसके बाद भी पुनः ऊपर की अदालत में अर्जी दाखिल की तो कोर्ट ने निचली अदालत में तय आरोप को गंभीर बताते हुए वहां से ही अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी और कोर्ट ने जमानती वारंट के साथ अगली सुनवाई में हाजिर होने के निर्देश दिए हैं।सवाल यह है कि कदाचार के आरोपी ने नियोक्ता को सूचित नहीं किया।यदि किया तो उस पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई।क्योंकि केन्द्रीय कर्मचारी सेवा आचार संहिता के अनुसार यदि किसी कर्मचारी पर कदाचार का आरोप लगता है तो उसे सेवा से तक विलग रखा जाता है जब तक कि वह न्यायालय से निर्दोष साबित नहीं होता है।

ओएफके में ड्यूटी पर रहते उसी दिन हलफनामा भी दायर किया

शीतलामाई वार्ड स्थित रामलीला मैदान को संरक्षित एवं सुविकसित बनाया जायेगा – निगमाध्यक्ष रिकुंज विज

जबलपुर, यशभारत । नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज के द्वारा क्षेत्रीय विकास समिति जबलपुर के साथ पूर्व विधानसभा क्षेत्र, शीतलामाई वार्ड स्थित रामलीला मैदान का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान पार्षद राम सोनकर, श्रीमति कविता रैकवार, श्रीमति वर्षा मुकेश विरहा, अविनाश चमकेल एवं क्षेत्रीयजन अनूप पैगवार, राजेश साहू, ओमनारायण दुबे, डॉ. अखिलेश राजपूत के साथ काफी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। स्थल निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय जनता के द्वारा बताया गया की शीतलामाई वार्ड स्थित रामलीला मैदान एक मात्र मैदान ही शेष बचा है, जहॉ प्रतिवर्ष रामलीला, दशहरा एवं धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन वृहद रूप में अनेकों वर्षो से निरंतर होता आ रहा है एवं प्रतिदिन सुबह क्षेत्र के नागरिकों द्वारा प्रभात-भ्रमण एवं योग आदि करते हैं साथ ही संध्याकाल में बच्चे उद्यान में खेलने-कूदने भी आते हैं। यदि रामलीला मैदान को संरक्षित एवं सुविकसित किये जाये तो क्षेत्रीय जनता को काफी का राहत मिलेगी । क्षेत्रीय जनता की मॉग को दृष्टिगत रखते हुये निगमाध्यक्ष द्वारा संबंधित अधिकारियों को स्थल का निरीक्षण करने एवं उद्यान को आवश्यकता अनुसार सुविकसित करवाये जाने हेतु नगर निगम आयुक्त अशीष वशिष्ठ को पत्र प्रेषित किया गया ताकि रामलीला मैदान अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को कायम रख सके ।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का 21 को जबलपुर आगमन

महापौर के घर शोक संवेदना व्यक्त करने जाएंगें

जबलपुरयशभारत। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 21 जनवरी दिन शनिवार को दोपहर 12:15 बजे महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के नरसिंह वार्ड स्थित निजनिवास पहुँचेगें, वहॉ पर श्री कमलनाथ महापौर की माताश्री श्रीमती चम्पा देवी सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करेगें, इसके साथ ही वे महापौर के परिजनों से भी मुलाकात करेगें। उल्लेखनीय है कि देवलोक गमन दिवस के दिन भी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू से दूरभाष पर बातचीत कर शोकसंवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान किया था। 21 जनवरी को श्री कमलनाथ सुबह 11:00 बजे जबलपुर पहुँचेगें और 11:00 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक शहर के अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेकर 13:45 बजे हेलीकाप्टर से जबलपुर से भोपाल के लिए रवाना होगें।

श्रमिक प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर, यशभारत। म.प्र. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्य मंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार एवं प्रदेश कांग्रेस के महा मंत्री व समस्त प्रकोष्ठ के प्रभारी जे. पी. धनोपिया के अनुमोदन से तथा बी.डी. गौतम प्रदेश अध्यक्ष श्रमिक प्रकोष्ठ की सहमति से मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रमिक प्रकोष्ट की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की गई है जिसमें जबलपुर से राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया । कृपा शंकर वर्मा प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आनंद प्रकाश दुबे प्रदेश संगठन मंत्री,जयमूर्ति मिश्राप्रदेश संगठन मंत्री,मथुरा प्रसाद दुबे विनोद पाण्डे प्रदेश सचिव शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस पर शहर भर में विशेष विद्युत साजसज्जा के साथ हर घर लहरायेगा तिरंगा

जबलपुर, यशभारत। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को प्रशासन द्वारा गैरीशन ग्राउंड सदर में धूमधाम से ध्वजा रोहण का कार्यक्रम की तैयारियॉ की जा रही है। इस राष्ट्रीय पर्व पर शहर के प्रत्येक घरों में तिरंगा लहराए और आकर्षक विद्युत साजसज्जा के साथ-साथ शहर में एक अलग प्रकार की स्वच्छता की झलक दिखाई दे इसके लिए प्रशासन द्वारा शहर के सभी गणमान्यजनों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा एवं संवाद स्थापित किया जा रहा है। दिनांक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह गैरीशन ग्राउंड में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा ध्वजा रोहण किया जायेगा और प्रदेश के नागरिकों को संबोधित किया जायेगा। आज इसी तारतम्य में पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री लखन घनघोरिया एवं क्षेत्र के सभी वार्ड पार्षदों के साथ मानस भवन स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक श्री घनघोरिया के साथ-साथ क्षेत्र के सभी 19 वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने सुझाव दिये और कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रशासन को सहयोग प्रदान करेगें और 200 से अधिक घरों में आकर्षक विद्युत साज सज्जा के साथ पूर्व विधानसभा के हर घर तिरंगा लहराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री तरूण भनोत एवं उनके क्षेत्र के वार्ड पार्षदों के साथ भी बड्डा दादा मैदान में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया और उनके द्वारा भी पूरे उत्साह एवं जोश के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाने और पूरे विधानसभा क्षेत्र में आकर्षक साजसज्जा कराने और हर घर तिरंगा लहराने के लिए क्षेत्रीयजनों से अनुरोध किया गया।

पूर्व विधानसभा के लगभग 200 घरों में की जायेगी आकर्षक विद्युत साजसज्जा – विधायक लखन घनघोरिया

श्री शनि अमावस्या पर शनिधाम तिलवारा में लगेंगे 56 भोग दिव्य और होगा भव्य महोत्सव

जबलपुर, यशभारत। हिंदू धर्म में अमावस्या का विशेष महत्व है लेकिन जब अमावस्या के दिन शनिवार होता है तो पुण्य फल कई गुना बढ़ जाने से उसका महत्व बढ़ जाता है. साल की पहली शनिश्चरी मोनी अमावस्या 21 जनवरी को होगी। यही नहीं इस बार शनिश्चरी मौनी अमावस्या पर 30 सालों बाद ऐसा शुभ संयोग बनने जा रहा है जो बेहद शुभफलदायी साबित होगा.इस बार खास संयोग है कि मौनी शनिश्चरी अमावस्या पर शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहेंगे। इस दौरान खप्पर योग, चतुरग्रही योग, षडाष्टक योग व समसप्तक योग भी बनेंगे। इसलिए इस बार की शनिश्चरी अमावस्या खास होगी। वैदिक हिंदू धर्म में हर तिथि का एक विशेष महत्व होता । साल की सभी 12 अमावस्या में यह एकमात्र अमावस्या है। जिसमें नर्मदा स्नान, दान के अलावा मौन व्रत रखने का खासा महत्व है। इस दिन मौन रहकर जप, तप, साधना, पूजा पाठ किए जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं में माघ मास की अमावस्या को दान पुण्य करने से सभी प्रकार के कष्टों और पापों से मुक्ति मिलती है। इस शुभ योग के अवसर पर. श्री शनिधाम तिलवाराघाट स्थित प्राचीन शनिदेव मंदिर में विशेष पूजन,शनि अभिषेक व दिव्य आरती, वृंदावन से आए 56 भोग अर्पण ,संगीतमय सुन्दरकांड एवं भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। शनि की साढ़ेसाती और ढैया से प्रभावित व्यक्ति , अगर वे इस दिन शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय करते हैं, तो उनकी परेशानी भी कम हो सकती है। शनिदेव की महादशा या साढ़ेसाती से परेशान जातको को शनि अमावस्या के दिन शनिदेव की पूजा जरूर करना चाहिए। इस दिन नर्मदा जी में स्नान कर पूजा करने से शनिदेव अत्यंत प्रसन्न होते हैं।

शनि अमावस्या पर पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह

पं. सतीशजी महाराज, पं. अनिल मिश्रा, अखिलेश सोनी, नितिन भाटिया, संजय तिवारी, विध्येश भापकर, शुभम तिवारी ,सिद्धांत विनायक, हितेश पटेल, विवेक पाण्डेय, शिवा तिवारी,अशोक साहू,गणेश साहू , विजय पटेल,गेंदुलाल सेन ,राजकुमार पटेल,लक्ष्मण पटेल ,सतीश अग्रवाल ,पट्टू उप्रीते ,प्रदीप साहू,मनीष साहू,प्रहलाद बंसल ,विजय ठाकुर ,राज सिंह ,संतोस उपाध्याय,मनोज ठाकुर आदि कार्यकर्त्ताओं ने श्रद्धालुओं से मंदिर में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

जाना मृदा जांच, शोध व स्वाइल हेल्थ कार्ड की उपयोगिता औषधीय पौधों की बारीकियां

हितकारिणी की छात्राओं ने किया जनेकृविवि में औषधीय गार्डन का भ्रमण

जबलपुर यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सप्रेरणा एवं आम जनमानस व विद्यार्थियों में कृषि शिक्षा व कृषि विज्ञान के प्रति जानकारी व जागरूकता के दृष्टिकोण से सतत् प्रयास के परिणाम स्वरूप आज हितकारिणी महिला महाविद्यालय जबलपुर की 20-25 छात्राओं के ग्रुप द्वारा विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग व औषधीय गार्डन का भ्रमण किया गया। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इसी तारतम्य में हितकारिणी महिला महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. सुनंदा जैन विभागाध्यक्ष, विज्ञान विभाग (विभागाध्यक्ष), प्रो. पूजा मिश्रा एवं प्रो. प्रतिक्षा नामदेव द्वारा प्रथम व द्वितीय वर्ष की 20-25 छात्राओं की टीम को जनेकृविवि भ्रमण कराया गया, जहां वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया।

मृदा विज्ञान विभाग के आचार्य व विभागाध्यक्ष डॉ. एन.जी. मित्रा के मार्गदर्शन में विभाग में मृदा की जांच, उपयोगिता व नमूने कैसे एकत्र करें एवं मृदा के परीक्षण हेतु कौन-कौन से उपकरण उपयोग होते है कि विस्तार से जानकारी डॉ राकेश साहू वैज्ञानिक द्वारा प्रदान की गई, साथ ही जवाहर जैव उर्वरक केन्द्र के वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ शेखर सिंह बघेल ने विश्वविद्यालय के जवाहर उर्वरक केन्द्र द्वारा उत्पादित 16 जैव उर्वरक पर्यावरण अनुकूल, कम लागत व गुणवत्ता युक्त जैसे- जवाहर राइजोबियम, एसिटोबेक्टर एजोस्पाइरिलम, एजिटोबेक्टर पी. एस. बी. के. एस बी, जेड. एस. बी. स्यूडोमोनास, ट्राइकोडर्मा, जवाहर बायोडाइजेस्टर -1 एवं 2 ई एम बी. जी. ए. माइकोराईजा एवं बैक्टोबूस्टर की विस्तार से जानकारी, किचन गार्डन व गमलों में जैव उर्वरकों का बेहतर लाभ हेतु उपयोग की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के महत्त्वपूर्ण औषधीय व सगंध पौधों व उपयोगिता इस क्षेत्र में स्टार्टअप कैसे प्रारंभ करें, विषय पर विस्तार से जानकारी डॉ ज्ञानेन्द्र तिवारी, प्राध्यापक द्वारा प्रदान की गई। प्रशिक्षण में बबलू यदुवंशी, सयोग मिश्रा व राजकुमार काछी का सहयोग प्राप्त हुआ ।

बेटे को पागल घोषित करना चाहता है पिता

ससुर को पिता के समान पूजा उसी ने घर से निकाल दिया

जबलपुर, यशभारत। एक पिता अपने बेटे को ही पागल घोषित करना चाहता है, जिस बहू ने सुसर को पिता का दर्जा दिया वही उसके प्रति गलत नियत रखता है। इसका खुलास उस वक्त हुआ जब पीड़ित महिला ने कलेक्टर को आपबीती बताई।

पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी राम कुमार श्रीवास्तव के एकमात्र पुत्र आशीष श्रीवास्तव के साथ 5 साल पहले हुई थी। ससुर के द्वारा पहले तो शादी के दौरान झूठ कहा गया कि मेरे बेटे की सरकारी नौकरी 1 साल में लग जाएगी। फिर शादी के बाद लगातार मुझे प्रताड़ित किया जाने लगा। यहां तक कि ससुर मुझे गंदी निगाहों से देखते हैं। और मेरे पति को मेरे साथ भी रहने नहीं देते हैं। ससुर के द्वारा मुझे झूठे केस में लगातार फंसाया जा रहा है।

पिता बोले; बेटा-बेटी के साथ हुआ अन्याय

परिजनों ने आरोप लगाया कि एसडीएम न्यायालय गोरखपुर में गलत जानकारी देकर मुझे घर से बेदखल करने की साजिश रची जा रही है। एसडीएम गोरखपुर में मैंने अपना पक्ष रखा बावजूद इसके मेरी नहीं सुनी जा रही हैं। जिसके बाद न्याय के लिए पीड़िता ने कलेक्ट्रेट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं पीड़िता के पिता का कहना है मेरे बेटा और बेटी के साथ अन्याय हो रहा है।

बदनामी के डर से नहीं कर रही थी शिकायत

ससुर के द्वारा गलत निगाह और प्रताड़ित करने के बाद मैं बदनामी से डर रही हूं। उसके बाद से ही मैं अकेले अपने ससुराल में रहती हैं। एक कमरे में ऊपर अलग अपने बेटे के साथ महीनों से गुजर बसर कर रही हूं। जब ससुर को यह भी बर्दाश्त नहीं हुआ तो वह मुझे घर से बेदखल कर रहे हैं। परिजनों ने कलेक्टर से घर से बेदखल न करने की मांग की है।

12वीं की छात्रा का अपहरण

पिता ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया मामला

जबलपुर। देश भक्ति जन सेवा का नारा देने वाली जबलपुर पुलिस के कारनामों से आम व्यक्ति को न्याय नहीं मिल पा रहा है। ताजा मामला गढ़ा थाने का जहां 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा का अपहरण कर लिया गया और पिता ने नामजद रिपोर्ट कराई लेकिन पुलिस ने किसी अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर फाइल हमेशा के लिए बंद कर दी। इसका खुलासा उस वक्त हुआ जब पीड़ित पिता एसपी के दरबार में पहुंचा। पीड़ित पिता ने किस तरह से बच्ची का अपरहण हुआ और किसने किया इसके बारे में पूरी जानकारी लिखित में एसपी को बताई। पिता को भरोसा है कि उसे एसपी के यहां से न्याय मिलेगा। गढ़ा पुलिस से परेशान पिता भगवान दास ने एसपी को शिकायत करते हुए बताया कि उसकी बच्ची 12 कक्षा में कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में पढती है, 2 जनवरी को वह जब स्कूल गई तो दोबारा घर नहीं लौटी। स्कूल के आसपास के लोगों से पता किया तो पता चला कि तरूण चौधरी नाम के युवक ने उसका अपहरण कर लिया है। कई दिनों वह बच्ची को परेशान कर रहा था। पीड़ित पिता का आरोप है कि गढ़ा थाने में नामजद शिकायत दर्ज कराने के बाबजूद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ तक नहीं की यहां तक अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर फाइल बंद कर दी। जबकि शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी का पूरा परिवार ताला लगाकर फरार हो गया है।

15 लाख रुपये दो नहीं तो बलात्कार का मामला हो जाएगा दर्ज

जबलपुर, यशभारत। कानून का सहारा लेकर बलात्कार, छेड़छाड़ के केस में फांसकर मोटी रकम वसूलने वाली महिला गैंग के खिलाफ खिलाफ ओमती में जांच के उपरांत मामला कायम किया गया है। आरोपी महिला ने पहले तो व्यापारी से परिचय बढ़ाया और फिर बलात्कार के झूठे मामले में फांसने की धमकियां देकर 15 लाख रुपये की डिमांड कर दी। जिसके बाद पीड़ित ने एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा से मामले की शिकायत की। जिसको गंभीरता से लेते हुए श्री बहुगुणा ने शिकायत की जांच करवाई, शिकायत जांच प्रतिवेदन पर माननीय न्यायालय द्वारा संज्ञान लेते हुए अपराध पंजीबद्ध किए जाने हेतु आदेशित किए जाने पर थाना ओमती में उक्त अपराध पंजीबद्ध किया गया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि नरेश डुडेजा 55 वर्ष निवासी नर्मदा रोड जबलपुर ने बताया कि वह हीरा केक एंड कुकीज नौदरा ब्रिज थाना ओमती जबानपुर का संचालक है । उसका बेटा मोहित भी उसके साथ हाथ बंटाता है। पीड़ित ने बताया कि घमापुर निवासी 25 वर्षीय महिला उसके दुकान में आई और बेटे को झूठे बलात्कार के केस में फंसवाने की धमकी देने लगी और बदले में 15 लाख रुपयों की मांग की गई। जिसकी शिकायत पीड़ित ने एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत की जांच करवाई गई। शिकायत जांच प्रतिवेदन पर माननीय न्यायालय द्वारा संज्ञान लेते हुए अपराध पंजीबद्ध किए जाने हेतु आदेशित किए जाने पर थाना ओमती में उक्त अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

व्यापारी से ब्लेकमेलिंग करने वाली महिला के खिलाफ मामला दर्ज

गढ़ा प्रीमियर लीग रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

जबलपुर यशभारत। संजीवनी नगर ग्रुप द्वारा लाल मैदान,संजीवनी नगर,गढ़ा,जबलपुर में आगामी 26 जनवरी से रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता (गढ़ा प्रीमियर क्रिकेट)का आयोजन विधायक तरुण भानोट की मुख्य अतिथि व मनीष महेश पटेल (एम.आई.सी.सदस्य) की अध्यक्षता व इंका नेता संजय राठौड़, मनोज पाटकर की सानिध्य में खेला जा रहा है।प्रतियोगिता का प्रवेश शुल्क: 3500/- रखा गया है प्रतियोगिता की विजेता टीम को 51000/-नगद व भव्य ट्रॉफी व उपविजेता को 21000/- नगद व भव्य ट्रॉफी के अलावा कई आकर्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, । प्रतियोगिता का मैच पहला शाम 6-00 बजे व दूसरा मैच रात्रि 8-00 बजे विल्सन टेनिस बाल से खेलें जायेंगे।प्रतियोगिता में प्रवेश हेतु राजा पांडेय 9303003663,आयुष उपाध्याय 8817100184, अरुण जैन 6264867970 से दिनांक 20 जनवरी तक संपर्क कर सकती हैं प्रतियोगिता में 32 टीमों को प्रवेश दिया जाएगा।

दुर्गा मंदिर में लाखों की चोरी से हड़कंप

सोने का हार, मुकुट ले उड़े चोर, भक्तों में आक्रोश

जबलपुर, यशभारत। रांझी थाना अंतर्गत मढ़ई में स्थित प्रसिद्ध दुर्गा माता के मंदिर में देर रात शातिर चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात और दानपेटी में रखी नगदी पार कर दी और मौके से फरार हो गए। आज बुधवार अल सुबह जब मंदिर का पुजारी पूजन करने गया तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ देखकर आवक रह गया। अंदर जाकर देखा तो माता का सोने का हार, मुकुट सहित मंदिर में रखे साउंड बॉक्स गायब था। यह खबर क्षेत्र में आग की तरह फैली और देखते ही देखते लोगों का मंदिर में भारी जमावड़ा लग गया। जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर, छानबीन शुरु कर दी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि व्हीएफजे रांझी के बजरंग नगर स्थित दुर्गा मंदिर में चोरी की सूचना मिली है। महेन्द्र पिता आरएस शुक्ला 35 साल ने बताया कि वह जब सुबह मंदिर में पूजन करने गए तो दानपेटी टूटी हुई पड़ी थी। माता की मूर्ति के जेवरात गायब थे और मंदिर में रखा साउंड वाक्स भी गायब था। चोरों ने पूरी योजना बनाकर मंदिर में धाबा बोला है। जो स्थानीय बताए जा रहे है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं, घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है।

लघु वेतन कर्मचारियों से अतिरिक्त राशि न वसूली जाए

जबलपुर-यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि इस समय शिक्षा विभाग में सभी श्रेणी के कर्मचारियों के इंकम टैक्स फार्म जमा किए जा रहे हैं ताकि जो कर्मचारी इंकम टैक्स के दायरे में आते है वे सभी कर्मचारी एडवांस इंकम टैक्स देते है। ताकि उन कर्मचारियों के वेतन से इस माह कम से कम एक किस्त काटी जा सके। परंतु देखा जा रहा है कि सभी संकुल प्राचार्यों के द्वारा इंकम टैक्स फार्म के साथ ही 250रूप्ये वसूले जा रहे हैं ताकि यह रकम बी.ई.ओ ऑफिस में जमा की जा सके फिर बी.ई.ओ से सी.ए या वकील के पास जमा करने पर ही इंकम टैक्स फार्म का सत्यापन होने के बाद ही इस माह का वेतन कर्मचारियों के खाते में पहुंच पाएगा। परंतु सभी श्रेणी के कर्मचारियों में जो इस दायरे में नहीं आते उनसे भी राशि वसूली जा रही है यह अनुचित है अन्याय है। जब ये समस्त कर्मचारी अपना रिर्टन फाईल करते है तो तब भी उनसे 500रूपये शिक्षा विभाग के वकील द्वारा व्यक्तिगत लिए जाते हैं। जबकि जब विभाग से 250रू प्रति कर्मचारी वकील के नाम पर लिए जाते है तो फिर उसी वकील के द्वारा इसी राशि में रिर्टन फाइल करनी चाहिए न कि अतिरिक्त व्यक्तिगत 500रूप्ये राषि ली जाए।

रोजगार प्रशिक्षण
क्या आप रोजगार चाहते हैं
आईये! हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े और एक अच्छा रोजगार पायें
कार्यक्रम सिर्फ 18 से 30 आयुवर्ग के लिए है
register nline@
https://www.grow.org.in
90099-85689

सांसद खेल महोत्सव का दो रंगा भाजपा करण बर्दाश्त नहीं

जबलपुर, यशभारत। भारतीय जनता पार्टी किसी भी कार्यक्रम हो या शासकीय योजनाएं उनका भाजपा करण करने में पीछे नहीं हटती पूरे देशमै सांसद खेल महोत्सव चल रहा है जिसमें भाजपा के झंडे लगाकर भाजपा करण करने का प्रयास कर रही है खेल राष्ट्र की भावनाओं के प्रतीक होता है उसमें किसी भी पार्टी और धर्म का आधिपत्य नहीं होता और यह खेल भावनाओं से भरा होता है उस कार्यक्रमों में पूरा पैसा सरकार के द्वारा लगाया जाता है उसमें किसी एक पार्टी अधिकार जताना निंदनीय है । सांसद खेल महोत्सव की योजनाओं के अंतर्गत जबलपुर के शिवाजी ग्राउंड में भी सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया है उस कार्यक्रम में सरकार का पैसा और सरकार की मशीनरी काम कर रही है फिर भी भारतीय जनता पार्टी के लोग उस कार्यक्रम का श्रेय लूटने के लिए मंच के आसपास एवं कीड़ा स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के झंडे लगाकर दुरंगा भाजपा करण करने का प्रयास कर रहे हैं जैसे पूरा कार्यक्रम का आयोज? भारतीय जनता पार्टी हो जो बहुत ही निंदनीय है आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के संयोजक विवेक अवस्थी जी ने कड़ा विरोध किया और तुरंत ही जिला अध्यक्ष महोदय को लिखित शिकायत देकर आपत्ति दर्ज कराया जिनके साथ पूर्व विधायक नन्हे लाल धुर्वे सरवन रजक एड अनुराग ठाकुर जितेंद्र यादव ठाकुर जितेंद्र सिंह गौर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे

भेड़ाघाट केन्टीन संचालक ने ग्राहक को बंधक बनाकर की जमकर मारपीट

समोसे छूकर देखने पर बढ़ा विवाद, एफआईआर दर्ज

जबलपुर, यशभारत। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत धरमपुरा स्थित केंन्टीन में समोसे छूकर देखने पर केन्टीन संचालक और उसके कर्मचारी ने पीड़ित भाईयों को पहले तो केन्टीन के अंदर बंद कर शटर गिरा दी और फिर डंडे से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ितों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर, आरोपियों की सरगर्मी से तलाश में जुटी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि उमेश कुमार 43 वर्ष निवासी धरमपुरा भेड़ाघाट ने बताया कि वह अपने चचेरे भाई धर्मेन्द्र कुमार अहिरवार के साथ शराब दुकान के बाजू में बनी केंटीन में पानी की बोतल लेने गया था, कांउटर में रखे समोसे छूकर देखा इसी बात पर नाराज होकर दुकान का र्कचारी संतोष राठौर बहस करने लगा। तभी केंटीन का मालिक सत्यम कुशवाहा बाहर से दौड़कर आया और दुकान का शटर गिराकर बंद कर दी और दुकान के अंदर डंडे से उसे एवं उसके भाई धर्मेन्द्र अहिरवार के साथ मारपीट कर घायल कर दिया।

भाजपा की नीतियों को प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना ही लक्ष्य

जबलपुर, यशभारत। भाजपा की नीतियों व प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यो योजनाओं आदि को लेकर में पदाधिकारी समाज के सभी वर्गों एवं क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों के बीच न लेकर जाएँ। यह बात भारतीय जनता पार्टी बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ महानगर ने की बैठक में प्रदेश संयोजक अनुराग प्यासी ने कही। संभागीय कार्यालय , रानीताल में प्रकोष्ठ की बैठक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारतमाता की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद शुरू हुई। ग जिसमें प्रकोष्ठ के जिला पदाधिकारियों के विगत माह के कार्यकलापों 4 की समीक्षा की गई। बैठक में प्रदेश सहसंयोजक राजा सराफ, जिला ट संयोजक डॉ. संजय चौधरी, जिला सहसंयोजक पंकज आजने, अरुण अग्रवाल, अनिल पाल, विवेक खरे, दिलीप सिंह हजारी मौजूद रहे।

तेरी चुनरिया दिल ले गयी, कला वीथिका में गूंजे तराने

जबलपुर, यशभारत। विगत दिनों दीवाने सिंगर्स, ओपेन-टू-ऑल के द्वारा ब्लास्टिंग 90 थीम पर आधारित गीतों का एक कार्यक्रम कलाविथिका में संपन्न हुआ, इसमें कलाकारों द्वारा आके तेरी बाहों में, कहदो के तुम हो मेरी वरना, कागज कलम दवात ला, तेरी चुनरिया दिल ले गयी, साथिया तुने क्या किया, तुम तो धोखेबाज हो, कोयल सी तेरी बोली, मोहब्बत की है तुम्हारे लिए हो गया है तुझको तो प्यार सजना, वादा रहा समन आदि ऐसे ही कई गीतों से सभी कलाकारों ने मन्त्रमुगद्ध कर दिया, कार्यक्रम का संचालन इंपेक्टर भास्कर एवं आशिष गुप्ता जी ने किया । इसमें आदरणीय मंजू गोरे, रजनी चौहान, सुरभि मिश्रा, मनोज शर्मा, रिषिराज गाएकवाड का सम्मान भी किया गया। इस कार्यक्रम में पुर्णिमा अग्रवाल, ममता भास्कर, सुरभि मिश्रा, रजनी चौहान, दामिनी पटेल, नीतू पटेल, आर. के. मास्कर, राजेश यादव, आत्मानंद श्रीवास्तव, दुर्गेश गर्ग, मनोज शर्मा, मनोज पटेल, शुभम नामदेव, मधुर परनामी, सैम्सन जेकब, आशिष सोनी एवं राजेश शर्मा ने अपने गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

जीआरपी का दक्षता उन्नयन प्रशिक्षण का शुभारंभ

जबलपुर यशभारत । एसआरपी कार्यालय जबलपुर में दक्षता उन्नयन प्रशिक्षण का शुभारंभ उप पुलिस महानिरीक्षक रेंज जबलपुर, आरआर सिंह परिहार के द्वारा किया गया इस प्रशिक्षण में जबलपुर भोपाल और इंदौर तीनों इकाइयों से कुल 20 प्रशिक्षणार्थी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इसमें उपनिरीक्षक और सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर श्रीमती प्रतिमा पटेल के द्वारा डीआईजी का स्वागत किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर
लोककर्म विभाग
द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

NIT NO/PWD-e-Tendering/pro 669 Dated 17/1/2023

पंजीकृत ठेकेदार मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्र	पैकेज कोड	कार्य का नाम	जिला	अनुमानित लागत लाख में	निर्माण अवधि माह में
1	संक्र 5	सामुदायिक शौचालयों एवं मूत्रालयों की मरम्मत, रंगाई, पुताई एवं अन्य आवश्यक कार्य।	जबलपुर	रु. 2.84 लाख (दो लाख चौरासी हजार रुपए मात्र)	2 माह

1 इच्छुक निविदाकार निविदा सूचना (NIT) का विवरण http://mptenders.gov.in में देख सकते हैं। 2 निविदा प्रपत्र दिनांक 20.1.2023 को प्रातः 10.30 बजे से दिनांक 28.1.2023 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा क्रय की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
नगरपालिक निगम जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि/यां. संभाग जबलपुर
Website: www.mp.gov.in/pwdmp, Email: eepwdelecjbp@mp.nic.in, Tel./ Fax No.: 0761-2620792
निविदा सूचना क्रमांक 29/ वर्ष 2022-23/व.ले.लि. जबलपुर, दिनांक 11.01.2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित विद्युत कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमा. लागत (लाख रु. में)	अमानत की राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय	1. ठेकेदार की श्रेणी 2. निविदा काल
1	2023_PWDRB_244033_1	जबलपुर जिले के एम.एम.वी. सेक्शन के अंतर्गत विद्युतीकरण का जोनल कार्य।	18.50 लाख	37000/-	2000/-	Up to 31.03.23	1. नवीन पंजीकरण एवं अ श्रेणी विद्युत लायसेंस। 2. द्वितीय काल
2	2023_PWDRB_244040_1	डिडोरी जिले के शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में बाह्य विद्युतीकरण कार्य।	13.73 लाख	27,460/-	2000/-	15 Days	1. नवीन पंजीकरण एवं अ श्रेणी विद्युत लायसेंस। 2. प्रथम काल
3	2023_PWDRB_244056_1	जबलपुर जिले के सिहोरा तहसील के अंतर्गत खितोला से उमारिया रोड में पोल शिफ्टिग का कार्य।	0.89 लाख	18001/-	1000/-	1 Month	1. नवीन पंजीकरण एवं अ श्रेणी विद्युत लायसेंस। 2. प्रथम काल
4	2023_PWDRB_244225_1	शासकीय कार्य के उपयोग हेतु बोलेरो वाहन अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (वि / यां) छिदवाड़ा सब डिवीजन 15 दिवस हेतु (1 वर्ष के लिये)	1.20 लाख	2400/-	1000/-	1 Year	1. प्रथम काल
5	2023_PWDRB_244238_1	शासकीय कार्य के उपयोग हेतु बोलेरो वाहन अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (वि/ या) सिवनी सब डिवीजन 15 दिवस हेतु (1 वर्ष के लिये)	1.20 लाख	2400/-	1000/-	1 Year	1. प्रथम काल
6	2023_PWDRB_244257_1	शासकीय कार्य के उपयोग हेतु बोलेरो वाहन अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (वि / यां) कटनी सब डिवीजन 15 दिवस हेतु (1 वर्ष के लिये)	1.20 लाख	2400/-	1000/-	1 Year	1. प्रथम काल
7	2023_PWDRB_244270_1	शासकीय कार्य के उपयोग हेतु केम्पर / समकक्ष इज 2.40 वाहन मण्डल स्तरीय प्रयोगशाला सिवनी हेतु (1 वर्ष के लिये)	2.40 लाख	5000/-	2000/-	1 Year	1. प्रथम काल

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 21.01.2023 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
वि./या. संभाग जबलपुर

जी-21759/22

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)
नि.सू.क्र./69-74/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2023 डिण्डौरी, दिनांक 11.01.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत 1) Work of Water Supply Arrangement In Rular Goverment Institute 2) Repairing & Maintinance Of India Mark-II Hand Pump in Distt. Dindori हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है । निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान केश – कार्ड या इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा । निविदा दिनांक 12.01.2023 को दोपहर 14.30 बजे से, दिनांक 26.01.2023 तक शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है ।
निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा । विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्तबेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्रमांक	नि. सू. क्र.	वि.खं.	विवरण	अनुमा. लागत (PAC) रु. लाख में	धरोहर राशि (PAC) रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	रिमार्क
1	2023_PHED_243661_1	69	शहपुरा	Work of Water Supply Arrangement In Rular Goverment Institute (LikeIs School & Anganwadi) From Existing Source at 28 Village 83 No. In Govt Institue Campus. Block Shahpura Distt. Dindori,	131.72	131720.00	12500.00	तृतीय आमंत्रण
2	2023_PHED_243997_1	70	वि.खं. डिण्डौरी	Repairing & Maintinance Of India Mark_II Hand Pump In Block _ Dindori, District Dindori	42.532	50000.00	5000.00	द्वितीय आमंत्रण
3	2023_PHED_243998_1	71	वि.खं. अमरपुर	Repairing & Maintinance Of India Mark_II Hand Pump In Block - Amarpur District Dindori	33.192	50000.00	5000.00	द्वितीय आमंत्रण
4	2023_PHED_243999_1	72	वि.खं. समनापुर	Repairing & Maintinance Of India Mark_II Hand Pump In Block Samnapur, District Dindori	33.865	50000.00	5000.00	द्वितीय आमंत्रण
5	2023_PHED_244000_1	73	वि.खं. बजाग	Repairing & Maintinance Of India Mark_II Hand Pump In Block Bajag, District Dindori	30.395	50000.00	5000.00	द्वितीय आमंत्रण
6	2023_PHED_244001_1	74	वि.खं. करंजिया	Repairing & Maintinance Of India Mark_II Hand Pump In Block Karanjiya District Dindori	31.795	50000.00	5000.00	द्वितीय आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
डिण्डौरी (म.प्र.)

जी-21725/22

समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता

दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से पहले ऑक्सफैम इंटरनेशनल के अध्ययन में सोमवार को खुलासा हुआ कि भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का चालीस फीसदी हिस्सा है। वहीं निचले तबके के पास कुल तीन फीसदी हिस्सा ही है। उदारीकरण-वैश्वीकरण के दौर के बाद देश में अमीरी-गरीबी की खाई तेजी से गहरी हुई है। कोरोना संकट से उपजे हालात ने अंतर को और बढ़ाया है। नये-नये धनकुबेरों ने अकूत संपदा जुटाई है। जाहिर है राजाश्रय और कानूनी संरक्षण के बिना यह आर्थिक असमानता का समुद्र हिलोरें नहीं ले सकता। ऑक्सफैम द्वारा जारी वार्षिक असमानता रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि देश के सबसे दस अमीरों पर पांच फीसदी कर लगा दिया जाए तो सभी बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिये पूरा पैसा मिल सकता है। यहां तक कि देश के सबसे धनाढ्य व्यक्ति के वर्ष 2017 से 21 के दौरान हासिल लाभ पर एक बार कर लगाने से 1.79 लाख करोड़ रुपये जुटाये जा सकते हैं। यह राशि भारतीय प्राथमिक विद्यालयों के पचास लाख से अधिक शिक्षकों के लिये एक साल का रोजगार उपलब्ध कराने के लिये पर्याप्त होगी। वहीं रिपोर्ट आकलन करती है कि यदि भारत के अरबपतियों की संपत्ति पर दो फीसदी की दर से एक बार कर लगाया जाता है तो इस राशि से देश में अगले तीन साल तक कुपोषित लोगों के पोषण के लिये 40,423 करोड़ रुपये की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। 'सर्वाइवल ऑफ दि रिचेस्ट' शीर्षक रिपोर्ट आगे बताती है कि देश के दस सबसे अमीर अरबपतियों पर पांच फीसदी का एक बार का कर जो करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये बैठता है, वह देश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के 2022-23 के बजट से डेढ़ गुना अधिक है। ऐसी रिपोर्ट जारी करने के पीछे विकसित देशों के प्रभाव वाली इन संस्थाओं के निहित स्वार्थ होते हैं लेकिन फिर भी ये आंकड़े सामाजिक असमानता की तस्वीर तो उकेरते ही हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत में महिला श्रमिकों को पुरुष श्रमिक द्वारा अर्जित मेहनताने के एक रुपये के मुकाबले केवल 63 पैसे ही मिलते हैं। ग्रामीण श्रमिकों व वंचित वर्गों के लिये यह अंतर और अधिक है। रिपोर्ट कहती है कि न्यूनतम पारिश्रमिक इतना हो कि जीवनयापन किया जा सके। ऑक्सफैम ने भारत में असमानता के प्रभाव के आकलन के लिये गुणात्मक व मात्रात्मक पक्षों को शामिल किया है। रिपोर्ट बताती है कि गरीब लोग अमीरों के अनुपात में अधिक करों का भुगतान करते हैं। वे आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। यह भी कि अब अमीरों पर कर लगाने तथा उसके भुगतान को सुनिश्चित करने का समय आ गया है। रिपोर्ट सुझाव देती है कि देश की वित्तमंत्री धन-कर व उत्तराधिकार कर जैसे प्रगतिशील उपायों को लागू करें। जो विभिन्न देशों में असमानता दूर करने में कारगर साबित हुए हैं। वहीं ऑक्सफैम ने फाइट इनइक्वलिटी एलायंस इंडिया द्वारा वर्ष 2021 में कराये गये देशव्यापी सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया कि अस्सी फीसदी लोग उन अमीरों व कंपनियों पर अतिरिक्त कर लगाने का समर्थन करते हैं जिन्होंने कोविड संकट को अवसर में बदलते हुए मोटा मुनाफा कमाया। वहीं नब्बे फीसदी प्रतिभागियों ने सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य के अधिकार और लिंग आधारित हिंसा को रोकने व असमानता दूर करने के लिये बजट बढ़ाने की मांग की। निश्चित रूप से अब समय आ गया कि उस मिथक को तोड़ा जाये जो कहता है कि अमीरों को करों में छूट से आर्थिक विकास होता है। समाज में असमानता को दूर करने तथा लोकतंत्र सशक्त करने के लिये जरूरी है कि पूंजीगत लाभ व बड़े अमीरों पर न्यायसंगत ढंग से कर लगे। साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य का वैश्विक मानकों के अनुरूप बजट बढ़ाया जाये। तभी मजबूत सार्वजनिक सेवाओं से स्वस्थ व खुशहाल समाज का मार्ग प्रशस्त होगा।

आपदा जोखिम की जड़ें कहीं? अंकुर कहीं

अनियंत्रित शहरीकरण, भूकंपीय क्षेत्रों में निर्माण, तेजी से कटाव की गतिविधि ने इस क्षेत्र में गंभीर बाढ़ ला दी है। सरकार को इस प्रक्रिया को समाप्त करने के लिए कार्यप्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। नदियों को आपस में जोड़ने जैसी पहलों का स्वागत किया जाता है और इन्हें पूरी गति से आगे बढ़ाने की जरूरत है। ड्रेनेज सिस्टम को उचित और शहरी आवास योजनाओं के अनुरूप होना चाहिए। तैयारियों के संदर्भ में, मौसम पूर्वानुमान को मजबूत और टिकाऊ बनाए जाने की जरूरत है, विकास की पहल को और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। आपदाओं की अनिश्चितता और तत्परता को ध्यान में रखते हुए, लचीलेपन को मजबूत करने के लिए तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकता है। बेशक सरकार इस दिशा में काम कर रही है लेकिन सामुदायिक भागीदारी की भी आवश्यकता है।

प्राकृतिक आपदाएँ एक प्रमुख कारण हैं जो किसी राष्ट्र के जीवन और संपत्ति पर भारी बोझ का कारण बनते हैं। इसलिए आपदा के प्रभाव, उसके शमन और आपदा के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक अन्य गतिविधियों के अध्ययन पर तत्काल ध्यान देना अनिवार्य है। आपदाएं मानव निर्मित और प्राकृतिक जन्म दोनों हो सकती हैं। मानव निर्मित आपदाओं में दंगे, युद्ध, परमाणु खतरे, खतरनाक अपशिष्ट आदि शामिल हैं। प्राकृतिक आपदाएं बाढ़, भूकंप, सुनामी, भूस्खलन, बादल फटने और आदि जैसे जलवायु कारकों और रोग, महामारी आदि जैसे जैविक कारकों के कारण हो सकती हैं। कुछ आपदाएँ सीधे प्रभावित करती हैं। और तत्काल प्रभाव पड़ता है और अन्य का दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। किसी भी प्रकार की आपदा से हमेशा मानव जीवन और राज्य संपत्ति का भारी नुकसान होता है। जबकि कई आपदाओं में संपत्ति के विनाश को टालना संभव नहीं है लेकिन किसी भी आपदा में मानव जीवन को बचाया जा सकता है।

आपदा घटनाओं की एक श्रृंखला है जो बड़े पैमाने पर जीवन, आजीविका और संपत्ति का विनाश करती है। जब आपदाएं अपरिहार्य हो जाती हैं, तो उनके जोखिम को कम करने की तैयारी के बारे में सोचना अनिवार्य हो जाता है। जैसा कि आम कहावत है, च्रोकथाम इलाज से बेहतर हैज्, यह न केवल जरूरी है बल्कि लचीलापन बनाने के लिए लाभदायक भी है, क्योंकि यह कम विनाश लाता है और यह आपदा के बाद राहत और पुनर्वास की तुलना में सस्ता है। आपदाएं मानव जाति के लिए एक विचार नहीं है। उन्होंने बाढ़, भूकंप, सुनामी, चक्रवात, कुछ नामों के लिए हर संभव रूप में अपनी नींव स्थापित की है। चाहे वह चीनी बाढ़ हो या फ्लोरिडा के चक्रवात, आपदा के निशान सीमाओं के पार हैं।

इस संदर्भ में, मानव जाति के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह प्रतिक्रिया से रोकथाम की ओर परिवर्तन करे। पहले, तकनीकी बाधाओं के कारण तैयारी स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान तक सीमित थी जिसे अब वर्तमान पीढ़ी के नवाचार और अनुसंधान के साथ ठीक से एकीकृत करने की आवश्यकता है। आपदा तैयारी के इस तंत्र को विश्व स्तर पर लिया गया है और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जैसे संस्थान चर्चाओं और विचार-विमर्श के मंच हैं जहां राष्ट्रों को नागरिक समाज संगठन और स्थानीय समुदाय के सहयोग से आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए तंत्र तैयार करने की आवश्यकता है।

व्यापक आम सहमति के माध्यम से, विभिन्न राष्ट्रों की सरकारों को इन चार कार्यक्षेत्रों के माध्यम से तैयारियों के विचार को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है- पहले ट्रांसपोंडर के लिए चल रहा प्रशिक्षण, विनाश योजनाओं में सामुदायिक भागीदारी, बेहतर जोखिम मूल्यांकन, सरकार के प्रतिक्रिया समय को कम करना। सूची संपूर्ण नहीं है और विभिन्न राष्ट्रों की पारिस्थितिकी के अनुसार इसका विस्तार किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के प्रति उच्च भेद्यता है। तैयारियों के स्तर के अनुसार जो पहले से मौजूद है, देश को अन्य कार्यक्षेत्रों में विस्तार करने की आवश्यकता है।

इसकी पुष्टि इस तथ्य से की जा सकती है कि फिलीपींस और भारत जैसे देशों ने चक्रवातों से निपटने के लिए एक बेहतर तंत्र स्थापित किया है, जो इन क्षेत्रों में लगातार घटनाएं होती रहती हैं। टाइफून हागुपिट जो फिलीपींस से टकराया था, मौसम का सबसे मजबूत था, लेकिन बेहतर तैयारी के उपायों के साथ मृत्यु दर में भारी कमी आई है। लगभग, 2,27,000 लोगों को तुरंत आपातकालीन आश्रयों में पहुंचाया गया। मानव संसाधन जो हर अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोपरि है, उसे पहले ध्यान देने की जरूरत है। पहले उत्तरदाताओं को निवारक उपाय करने, निकासी मार्गों की योजना बनाने, पहुंच में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है आपातकालीन आश्रयों और आपातकालीन योजनाओं के लिए उनमें से कुछ हैं।

यहां सरकार की भूमिका सर्वोत्कृष्ट हो जाती है। जोखिम मूल्यांकन से लेकर तैयारियों तक, पूरी प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक नियोजित करने की आवश्यकता है। यहां, स्थानीय समुदाय के ज्ञान और नागरिक समाज संगठन की भागीदारी का पूरा लाभ उठाया जा सकता है। सर्वोत्तम प्रथाओं को विश्व स्तर पर साझा करने की आवश्यकता है और दृष्टिकोण समन्वयात्मक होना चाहिए। ह्योगो फ्रेमवर्क के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा संकल्प द्वारा पारित कार्रवाई, लचीलापन बनाने के लिए एक एकीकृत योजना प्रदान करती है। एचएफए कार्रवाई के लिए पांच प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार करता है, और आपदा लचीलापन प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत और व्यावहारिक साधन प्रदान करता है। इसे कई सरकारों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने स्वीकार किया है।

विकासशील अर्थव्यवस्था जैसे भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है और विकास जोरों पर है, आपदाओं की संवेदनशीलता कई गुना बढ़ जाती है। इसके शीर्ष पर, भारत की एक बहुत लंबी तटरेखा है, लगभग 7,500 किमी जो हर समय चक्रवातों के प्रति संवेदनशील रहती है। उत्तराखंड बाढ़, जम्मू-कश्मीर बाढ़, पूर्वी तट पर फैलिन और हुदहुद चक्रवात कुछ हैं, हाल के दिनों में देश ने आपदाएं देखी हैं। उड़ीसा चक्रवात और दुनिया भर में विभिन्न अन्य आपदाओं में भारी तबाही से संकेत लेते हुए, सरकार ने काफी हद तक संस्थागत तंत्र को मजबूत किया है। सरकार ने 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम बनाया जो विभिन्न स्तरों पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना करता है।

इसके बाद, राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना को बहु-खतरा जोखिम प्रबंधन में चक्रवात पूर्वानुमान, ट्रैकिंग और चेतावनी प्रणाली और क्षमता निर्माण के उन्नयन के उद्देश्य से अनुमोदित किया गया था। इसमें कोई संदेह नहीं है, उद्देश्य पूरा हो गया है, क्योंकि राज्य तंत्र लगभग दस लाख लोगों को आपातकालीन आश्रयों में सुरक्षित निकालने में सफल रहा है, जिससे साइक्लोन फीलिन के मद्देनजर मृत्यु दर 50 से कम हो गई है। यह सब, राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना के तहत संयुक्त प्रयास और समुदाय की भागीदारी के माध्यम से आपदा न्यूनीकरण और पुनर्प्राप्ति के लिए वैश्विक सुविधा के माध्यम से संभव हुआ।

वैश्विक स्तर पर, भारत भारत सरकार - यूएनडीपी आपदा जोखिम न्यूनीकरण

कार्यक्रम के तहत ज्ञान, अनुभव और संसाधनों को साझा करता रहा है। इसी तरह, जोखिम में कमी और प्रबंधन में बेहतर तैयारी के लिए समग्र रणनीति विकसित करने के लिए अन्य साझेदारी पर काम किया जा रहा है। हालांकि, यह उद्धृत किया जा सकता है कि, देश ने चक्रवातों के प्रबंधन में अच्छा प्रदर्शन किया है, नुकसान को काफी हद तक कम किया है, इसने अन्य आपदाओं, मुख्य रूप से बाढ़ से निपटने में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। बाढ़ बहुत बार-बार आती है और उचित योजना की कमी बहुत विनाशकारी मोड़ ले सकती है। उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर की बाढ़ में यह पहले ही देखा जा चुका है, जहां राज्य तंत्र मौजूद था आपदा की भविष्यवाणी करने में असहाय और यह केवल एनडीआरएफ और सेना थी जो आपदा के बाद पीड़ितों को राहत पहुंचाती थी।

अनियंत्रित शहरीकरण, भूकंपीय क्षेत्रों में निर्माण, तेजी से कटाव की गतिविधि ने इस क्षेत्र में गंभीर बाढ़ ला दी है। सरकार को इस प्रक्रिया को समाप्त करने के लिए कार्यप्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। नदियों को आपस में जोड़ने जैसी पहलों का स्वागत किया जाता है और इन्हें पूरी गति से आगे बढ़ाने की जरूरत है। ड्रेनेज सिस्टम को उचित और शहरी आवास योजनाओं के अनुरूप होना चाहिए। तैयारियों के संदर्भ में, मौसम पूर्वानुमान को मजबूत और टिकाऊ बनाए जाने की जरूरत है, विकास की पहल को प्रोत्साहित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। आपदाओं की अनिश्चितता और तत्परता को ध्यान में रखते हुए, लचीलेपन को मजबूत करने के लिए तंत्र बनाने की तत्काल आवश्यकता है। बेशक सरकार इस दिशा में काम कर रही है लेकिन सामुदायिक भागीदारी की भी आवश्यकता है।

अंत में, यह विचार करने की आवश्यकता है कि आपदा न केवल वर्षों पहले घटी घटनाओं का परिणाम है बल्कि यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें बड़े आयाम शामिल हैं और यह जलवायु परिवर्तन का आयाम है। वैश्विक स्तर पर, ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल, ग्रीन क्लाइमेट फंड, यूएनएफसीसीसी जैसी कई पहल की गई हैं, लेकिन आम सहमति की कमी के कारण इस संबंध में बहुत कम किया गया है। आपदा जोखिम और प्रबंधन की तैयारी देखी जा सकती है, आपदा की भविष्यवाणी के बाद एक तत्काल ऑपरेशन के रूप में लेकिन यह भी समझने की जरूरत है कि हम इसकी जड़ें कहीं और अंकुरित कर रहे होंगे।

-प्रियंका सौरभ

आपका राशिफल 19 जनवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

फिल्म वर्ग पहेली- 6051

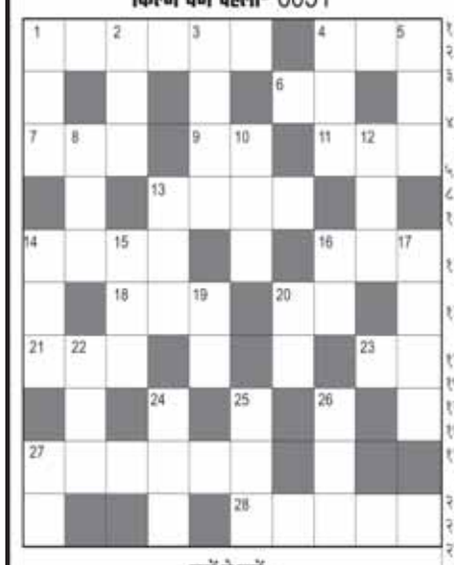

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, कविता की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा मेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बाबा दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जादू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'समजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'थोड़ी थोड़ी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमें से मोहब्बत हमों से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज मुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 6050

Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नहीं बल्कि कई समस्याएं दूर करेगा किशमिश का पानी

ड्राई फ्रूट्स भी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। यह शरीर को कई तरह के पोषक तत्व देते हैं। किशमिश भी सूखे मेवों में से एक मानी जाती है। इसका सेवन कई अलग-अलग तरीकों के सात किया जा सकता है। कुछ लोग इसे भिगोकर खाते हैं, कुछ ऐसे ही इसका सेवन करते हैं। लेकिन बहुत से कम लोग जानते हैं कि किशमिश का पानी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। यह शरीर को कई सारे पोषण देता है। तो चलिए जानते हैं कि इसका सेवन आप कैसे कर सकते हैं...

ऐसे बनाएं किशमिश का पानी

किशमिश का पानी बनाने के लिए आप सबसे पहले 2 कप पानी उबाल लें। इसके बाद इसमें 150 ग्राम किशमिश डालकर गैस बंद कर दें। रातभर इस पानी को ऐसे ही रहने दें और अगली सुबह आप इसका सेवन कर सकते हैं। यदि आप दिन में किशमिश का पानी तैयार कर रहे हैं तो इसे 5-6 घंटे के लिए रहने दें और फिर ही इसका सेवन करें।

किशमिश का पानी पीने के फायदे

एसिडिटी होगी दूर

किशमिश का पानी पेट की समस्याओं के लिए भी बहुत ही लाभदायक माना जाता है। यह पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है, यदि आपको एसिडिटी की समस्या है तो आप इसका सेवन अवश्य करें। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पेट में से बैक्टीरिया दूर करने में सहायता करते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए

किशमिश के पानी में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। इसका पानी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी की इम्यूनिटी को मजबूत करने में सहायता करता है।

शरीर से निकाले टॉक्सिन पदार्थ

इस पानी का सेवन करने से शरीर में से टॉक्सिन पदार्थ बाहर निकलते हैं। आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए इस ड्रिंक का सेवन हफ्ते में एक बार कर सकते हैं। यह स्वास्थ्य के साथ-साथ त्वचा के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होती है।

अनिद्रा करे दूर

तनाव भरी जिंदगी में बहुत से व्यक्तियों को नींद भी अच्छे से नहीं आ पाती। यदि आपको भी ऐसी कोई समस्या है तो आप किशमिश के पानी का सेवन कर सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला मेलाटोनिन अच्छी नींद के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।किशमिश का पानी आपके शरीर में से एक्सट्रा कैलोरी और फैट को पिघलाने में भी मदद करता है। इसमें पाया जाने वाला नैचुरल शुगर और ग्लूकोज आपके शरीर को एनर्जी देने में भी मदद करता है। इसका सेवन करने से आपका वजन भी कम होगा और कमजोर व थकान भी महसूस नहीं होगी।

सूडोकु नवताल- 6574

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6573 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

विचार प्रवाह

संसार अंधों की आबादी है। जन्मजात अंधों की नगरी है। आज के आदमी को दिखता तो है मगर जो दिखना चाहिए वह नहीं दिखता। संसार में गड्ढे बहुत हैं और लाठी भी नहीं है। अब गिरना तो तय है हां अगर तीसरी आंख खुल जाए तो गिरने से बचा जा सकता है। तीसरी आंख कैमरे की आंख जैसी होती है इसे फोटोग्राफर और ज्ञान की आंख को गुरु खोलता है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7603

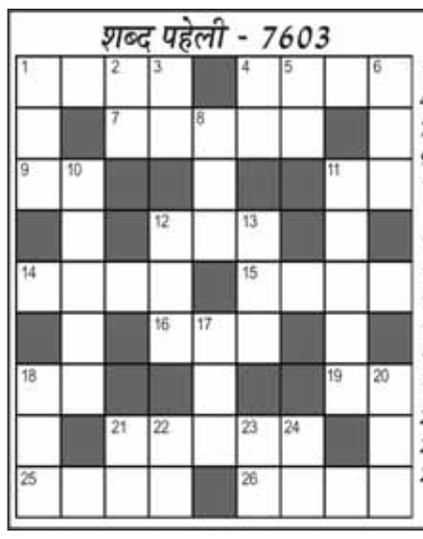

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरूरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होंठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -7602 का हल

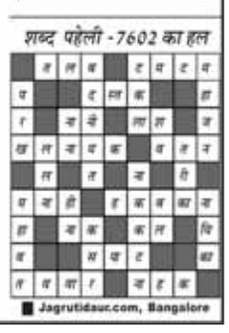

Jagrutidaur.com, Bangalore

भोपाल में जनवरी की रातें 23 साल में सबसे ठंडी

3 दिन बाद राहत, लेकिन ठंड फिर लौटेगी

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में तीन दिन बाद हाड़ कंपा देने वाली ठंड से कुछ राहत मिल सकती है। 22 और 23 जनवरी को ग्वालियर-चंबल संभाग में हल्की बारिश होने के आसार हैं। प्रदेश के बाकी हिस्से में बादल छा सकते हैं।ऐसे में जनवरी के आखिर में कड़ाके की ठंड का तीसरा दौर आ सकता है। पूरा प्रदेश कड़ाके की ठंड की जकड़न में है। ग्वालियर-चंबल शीतलहर से कांप रहा है। भोपाल में इस सीजन जनवरी की रातें 23 साल में सबसे सर्द रहीं। इंदौर में मंगलवार का दिन भी कोल्ड डे के करीब रहा। उमरिया, चंबल, रतलाम, राजगढ़, रीवा, सतना, सागर, छतरपुर, टीकगमढ़, निवाड़ी, ग्वालियर और दतिया जिलों में कहीं-कहीं शीतलहर का असर है।मौसम विभाग के अनुसार, आज चंबल संभाग के साथ ग्वालियर, उमरिया, रतलाम, राजगढ़, रीवा, सतना, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और दतिया में 16 से 18 घंटे/किमी की रफ्तार से सर्द हवाएं चलेंगी। चंबल संभाग के जिलों में और ग्वालियर, छतरपुर, दतिया में पाला गिर सकता है। फसलों को नुकसान से बचाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने खेतों के आसपास लगातार धुआं करने की सलाह किसानों को दी है।

3 दिन बाद फिर बदलेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 18 जनवरी की शाम से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तरी भारत में एक्टिव होगा। इससे हवाओं का रुख बदलेगा और फिर तापमान में ब?ोतरी होगी। मध्यप्रदेश में 3 दिन बाद इसका असर दिखाई देगा। यानी, तीन दिन तक क?ोके की ठंड का दौर जारी रहेगा, इसके बाद ही राहत की उम्मीद है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर सिस्टम बनेगा। इस कारण 22 और 23 जनवरी को ग्वालियर-चंबल संभाग में हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। बाकी जगहों पर बादल छा सकते हैं। राजधानी में इस साल जनवरी में सिर्फ एक बार ही रात का पारा 11 डिग्री के पार पहुंच पाया है। वो तारीख थी 13 जनवरी। न्यूनतम पारा 23 साल में पहली बार जनवरी के शुरुआती 16 दिन 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम रहा।

यूथ कांग्रेस में बड़ा एक्शन, 23 निष्क्रिय पदाधिकारी बर्खास्त

प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने 3 प्रदेश सचिव और एक जिलाध्यक्ष को हटाया

भोपाल,यशभारत। चुनावी साल शुरू होते ही कांग्रेस संगठन की सर्जरी में जुटी हुई है। पीसीसी चीफ कमलनाथ के निर्देश के बाद पदों पर सालों से काबिज पदाधिकारियों की छुट्टी कर सक्रिय कार्यकर्ताओं को काम दिए जा रहे हैं। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने सालों से पदों पर काबिज 23 पदाधिकारियों की छुट्टी कर दी है।हटाए गए पदाधिकारियों में प्रदेश के 03 सचिव, जिला अध्यक्ष एवं 19 विधानसभाओं के युवा कांग्रेस अध्यक्षों को पदमुक्त कर बाहर का रास्ता दिखा दिया है।यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने प्रदेश के युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों को चेतावनी दी है। भूरिया ने कहा कि जो संगठन के अनुरूप मापदण्डों पर खरे नहीं उतरेंगे उन पर भी भविष्य में ऐसी ही कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सम्पूर्ण प्रदेश में युवा कांग्रेस का प्रत्येक विधानसभा में यूव जोड़ो खूब जोड़ो अभियान गतिशील है, जिसके तहत मध्यप्रदेश की विधानसभाओं में प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं का गठन प्रमुखता से किया जा रहा है।

इनकी हुई छुट्टी

मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने जिन पदाधिकारियों को पदमुक्त किया है उनमें हिफ्लुर्रहमान खान, अजय राय, चन्द्रकांत शर्मा तीनों प्रदेश सचिव, बैतूल जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष गौरव खातरकर, विधानसभा अध्यक्षों में प्रवीण कुमार जैन अटेर, संदीप तिवारी चैहर, जितेन्द्र महुले-परसवाड़ा, दीपक प्रजापति-चण्ड़ा, अनिकेश संघिया रहली, अफजल खान- दमोह, अंकुर जैन-जबेरा, राहुल पटेल-हटा, महेन्द्र नायक महाराजपुर, दिनेश चौरसिया - विजावर, अरविन्द रावत- मलेहरा, जुगलकिशोर वर्मा जतारा, राजपालसिंह पवई, नसीम कुरैशी केवलारी, राकेश डामोर पेटलावद, अजयकुमार चंदेल सिंगरौली, सुनील कुमार जायसवाल- चितरंगी, आदर्श चतुर्वेदी-सिहावल, नारायण सिंह चौहान सीधी को हटाया गया है।लापरवाही के चलते हटे कार्यकर्ताप्रदेश के जिन पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष एवं विधानसभाओं के अध्यक्षों ने काम में रूचि नही दिखाई, ऐसे पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने पदमुक्त कर दिया है। भूरिया ने बताया कि जिन लोगों को दायित्व मुक्त किया गया है उनके स्थान पर जल्दी ऐसे ऊर्जावान, स्थानीय जनाधार वाले युवाओं को अवसर दिया जाएगा जो आगामी विधानसभा से पहले युवा कांग्रेस को बूथ स्तर तक और भी ज्यादा मजबूत कर सकें। डॉ. विक्रांत भूरिया ने ऐसे पदाधिकारियों को पदमुक्त किया है जिन्होंने पिछले दो वर्षों से संगठनात्मक कार्यों के क्रियान्वयन की अनदेखी की एवं सरकार की नीतियों का ताकत से विरोध नहीं किया है।

शुक्रवार को यूथ कांग्रेस की बड़ी बैठक

ग्रीन फील्ड सिटी प्रोजेक्ट से ग्वालियर बाहर, पीथमपुर व जबलपुर का जाएगा प्रस्ताव

भोपाल, यशभारत। केंद्र सरकार के ग्रीन फील्ड सिटी प्रोजेक्ट से प्रदेश सरकार ने ग्वालियर को बाहर कर दिया है। अब जबलपुर और इंदौर के पीथमपुर का प्रस्ताव केंद्र के पास भेजा जाएगा, ये प्रस्ताव 20 जनवरी तक जाएंगे। हालांकि, इस पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को करना है, लेकिन मप्र के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जबलपुर व पीथमपुर का प्रस्ताव तैयार कर लिया है।सबसे पहले इस प्रोजेक्ट के लिए ग्वालियर की काउंटर मैग्नेट सिटी को चुना गया था। सितंबर में पीथमपुर व देवास को भी इसमें शामिल किया गया। कुछ दिन पहले जबलपुर को भी इस प्रोजेक्ट में रख लिया गया। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने देशभर में 8 ग्रीन फील्ड सिटी चुने जाने के लिए सभी राज्यों से प्रस्ताव मांगे हैं। हर राज्य से जाने वाले प्रस्तावों में से उन 8 शहरों को चुना जाएगा। जहां पर्याप्त जगह, संसाधन एवं निवेश की संभावना अधिक होगी।एडिशनल कमिश्नर/ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मप्र रुचिका चौहान ने सवालों के जवाब में कहा कि ग्वालियर, देवास, पीथमपुर और जबलपुर को इस प्रोजेक्ट के लिए चुना गया था। मंथन के बाद केंद्र के पास पीथमपुर और जबलपुर का प्रस्ताव भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग ने निर्णय लेकर प्रस्ताव तैयार कर लिया है। अब मुख्यमंत्री के पास ये प्रस्ताव जाएंगे और उनके निर्णय पर अंतिम मुहर लगेगी।

राशन की समस्या को लेकर प्रदर्शन भोपाल कलेक्टोरेट पहुंचे गैस पीड़ित

कई महीने से हो रहे परेशान

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के गैस पीड़ितों ने मंगलवार को राशन की समस्या को लेकर कलेक्टोरेट के बाहर प्रदर्शन किया। वे कई महीने से राशन के लिए परेशान हो रहे हैं। एक ऑफिस से दूसरे ऑफिस में चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा। वहीं, सर्वर, पात्रता पत्री आदि को लेकर भी परेशानी हो रही है। मंगलवार दोपहर पेंशन भोगी संघर्ष मोर्चा के आव्हान पर बड़ी संख्या में गैस पीड़ित व निराश्रित पेंशनभोगी महिलाओं ने बीपीएल व खाद्यान पात्रता पर्ची लेकर कलेक्टोरेट के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने खाद्य विभाग के अधिकारियों पर गरीब परिवारों की समस्याओं के प्रति नकारात्मक रवैया अपनाने का आरोप लगाया। कहा कि बीपीएल सूची में नाम आने के बाद एवं नगर निगम के वार्ड कार्यालय द्वारा समग्र आईडी में दर्ज सभी सदस्यों का नैतिक सत्यापन होने के बाद भी खाद्यान पात्रता पर्ची में परिवार के सभी सदस्यों के नाम नहीं आ रहे हैं। पात्रता पर्ची का सत्यापन नगर निगम द्वारा बीपीएल सर्वे के आधार पर किया जाता है। परिवार के सभी सदस्यों के आचार दर्ज करने के उपरांत पात्रता पर्ची की अनुसंशा स्थानीय निकाय द्वारा डीएसओ/ जेएसओ को की जाती है। इसके बाद एनआईसी को की जाती है। ये प्रक्रिया पूरी करने में विभाग एक साल से ज्यादा का समय लगा देता है। जिससे गरीब परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का लाभ नहीं मिलता है।

संगठन के अध्यक्ष नामदेव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने दो वर्ष पहले घोषणा की थी कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में दर्ज 25 श्रेणी के सभी गरीब परिवारों को खाद्यान पात्रता पर्ची जारी कर राशन दिया जाएगा। प्राथमिकता वाले पात्र श्रेणी में वृद्ध अवस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राही भी शामिल हैं। जिनकी संख्या भोपाल में 40 हजार से अधिक है, लेकिन आज तक जिला प्रशासन द्वारा खाद्यान पात्रता पर्ची प्रदान नहीं की गई। जिस कारण से गरीब पेंशन भोगी खाद्यान का लाभ लेने से वंचित है।

भोपाल में 32 करोड़ में बनेगा रेलवे ओवर ब्रिज

केंद्र सरकार ने मंजूरी दी, ग्वालियर-सिवनी में भी ब्रिज की मंजूरी

भोपाल,ईएमएस। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के 3 शहरों में रेलवे ओवर और अंडरब्रिज की मंजूरी दी है। कुल 162.84 करोड़ रुपए में चार प्रोजेक्ट पूरे होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सेतु बंधन योजना के तहत प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। भोपाल में छोला रेलवे ओवर ब्रिज काली परेड से अयोध्या बायपास तक बनेगा। इसकी कुल लागत 32 करोड़ 44 लाख रुपए आएगी। इसी प्रकार रेलवे ओवर ब्रिज नेशनल हाईवे नंबर-7 सिवनी सिटी के लिए 126 करोड़ 40 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। यह राशि केंद्रीय सड़क और अधो-संरचना कोष अधिनियम 2000 सेतु बंधन योजना में स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार मंत्रालय ने सेतु बंधन योजना में रेलवे अंडरब्रिज डबरा रेलवे स्टेशन के पास हरिशंकर पुरम् से महलगांव रेलवे ट्रैक ग्वालियर और मोहना रेलवे ओवरब्रिज ग्वालियर के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

मध्यप्रदेश और सक्षम बनेगा

मध्यप्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव ने केंद्र सरकार को उक्त कार्यों की स्वीकृति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इससे जिलों के विकास को और ज्यादा गति मिलेगी। केंद्र सरकार से मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में पूरा सहयोग मिल रहा है। बढ़ती सड़क अधोसंरचना से मध्यप्रदेश देश की अर्थ-व्यवस्था में भरपूर योगदान देने में सक्षम बनेगा।

महंगाई भत्ते में वृद्धि के लिए मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को अभी करनी होगी प्रतीक्षा

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश के 10 लाख से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में वृद्धि के लिए अभी प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। वित्त विभाग ने इसको लेकर प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन अब तक सरकार की अनुमति नहीं मिली है। प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों को 34 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है, जो केंद्रीय कर्मचारियों की तुलना में चार प्रतिशत कम है।सरकार ने वर्ष 2022-23 के बजट में महंगाई भत्ते के लिए 38 प्रतिशत के हिसाब से प्रविधान रखा है। सभी विभागों से वित्तीय वर्ष प्रारंभ होने के पहले ही वेतन और भत्ते में वृद्धि के लिए प्रस्ताव ले लिए गए थे। केंद्र सरकार ने जुलाई में महंगाई भत्ते में वृद्धि कर 38 प्रतिशत कर दिया था। कोरोना महामारी के कारण प्रभावित अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने के बाद कर्मचारियों को संभावना थी कि केंद्र सरकार के साथ-साथ ही महंगाई भत्ते में वृद्धि का लाभ मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह नीतिगत निर्णय है, जिसके लिए प्रस्ताव बनाकर दिया जा चुका है, अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

लव जिहाद व मतांतरण के खिलाफ कानूनों के प्रचार प्रसार पर रहेगा भाजपा का जोर

भोपाल यशभारत। चुनावी वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही मध्य प्रदेश भाजपा ने तैयारियों को स्पष्ट दिशा देने की कवायद तेज कर दी है। जिन मुद्दों को मुफीद माना जा रहा है, उनसे माहौल अपने पक्ष में करने की रणनीति पर चिंतन जारी है। इधर, राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद कुछ खास बिंदु स्पष्ट होते दिखाई दे रहे हैं, जिनमें हिंदुत्व के मुद्दे को सबसे प्रमुख माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव में भाजपा इस पर खासा जोर रखेगी। सत्ता और संगठन की तरफ से उन कानूनों के जोर-शोर से प्रचार-प्रसार की तैयारी की जा रही है, जो हिंदुत्व से जुड़े हों, जैसे लव जिहाद रोकने वाला कानून, दंगे में नुकसान हुई संपत्ति का हर्जाना वसूलने की कवायद और मतांतरण के विरुद्ध सख्त कानूनी प्रविधान। मध्य प्रदेश में मतांतरण के कई ऐसे मामले सामने आ रहे थे, जिससे आदिवासी क्षेत्रों के निवासियों को नुकसान हो रहा था। स्वयं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पेसा कानून के संदर्भ में कहते हैं कि चुनाव लड़ने या जमीन खरीदने के लिए कई लोग आदिवासी समुदाय की लड़कियों से शादी कर लेते हैं।

मध्य प्रदेश में दो साल बाद भोपाल में होगी कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस

भोपाल यशभारत। कोरोना महामारी के दौरान भोपाल बुलाकर कलेक्टर-कमिश्नर और आइजी-पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक करने का जो सिलसिला थम गया था, वो अब फिर प्रारंभ होने जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 31 जनवरी और एक फरवरी को कलेक्टर-कमिश्नर और आइजी-पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस करेंगे। पहले दिन कलेक्टर और कमिश्नर के साथ पेसा के नियम, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन, मुख्यमंत्री आवासीय भू अधिकार सहित अन्य योजनाओं की स्थिति पर जानकारी ली जाएगी। वहीं, दूसरे दिन आइजी और पुलिस अधीक्षकों के साथ कानून व्यवस्था की स्थिति

को लेकर समीक्षा की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस 16 और 17 जनवरी को प्रस्तावित थी लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अब इसे 31 जनवरी और एक फरवरी को भोपाल में किया जाना निर्धारित किया गया है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। सभी कलेक्टरों और कमिश्नरों से कहा गया है कि 25 जनवरी तक अपना प्रतिवेदन बनाकर उपलब्ध कराएं। इसके आधार पर समीक्षा होगी। इसी तरह सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिरीक्षक से बाल अपराध पर नियंत्रण, महिला अपराध और माफिया के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान सहित अन्य विषयों की जानकारी ली जाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि एक फरवरी को मुख्यमंत्री कलेक्टर-कमिश्नर, आइजी और पुलिस अधीक्षकों के साथ अलग-अलग बैठक भी करेंगे।

खरीदी के नियम बने :मध्यप्रदेश के 2657 स्टार्टअप को नया बूम

***भोपाल,यशभारत।** ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद स्टार्टअप को गति देने के लिए राज्य सरकार ने खरीदी के नए नियम बना दिए हैं। अब सरकार के विभाग यदि एक करोड़ या इससे अधिक राशि की कोई खरीदी करते हैं तो मप्र के 2 हजार 657 स्टार्टअप को प्राथमिकता दी जाएगी। उनके लिए अनुभव से जुड़ी कोई शर्त नहीं होगी, न ही टर्नओवर पूछा जाएगा यानी चंद दिन पहले कोई स्टार्टअप शुरू हुआ है तो वह भी पार्टिसिपेट कर सकेगा।स्टार्टअप के लिए अलग से प्री-क्वालिफिकेशन रिक्वायरमेंट (पीक्यूआर) भी बनेगा। वे ग्लोबल टेंडर इंक्वायरी में शामिल होने के भी पात्र होंगे। भारत सरकार के पोर्टल में दर्ज स्टार्टअप को इस नए नियम से एक बड़ा सरकारी बाजार मिल जाएगा। इसमें भी यह तय किया गया है कि छोटे उद्योगों से 25प्रतिशत राशि की खरीदी होगी। मसलन अजा-अजजा के स्टार्टअप से 4 प्रतिशत, महिलाओं के स्टार्टअप से 3प्रतिशत और अन्य स्टार्टअप से 18प्रतिशत राशि की खरीदी होगी। 75प्रतिशत टेंडर होने के बाद सबसे कम दर ऑफर करने वाले स्टार्टअप से होगी। खरीदी खुले बाजार और जेम पोर्टल से होगी।सरकारी विभागों के भी खरीदी अधिकार दो से ढाई गुना तक बढ़ा दिए गए हैं। यह बिना कोटेशन के 50 हजार तक और विभागीय क्रय समिति की अनुशंसा पर ढाई लाख तक की खरीदी खुले बाजार से कर सकते हैं।यदि किसी के भी द्वारा भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन किया जाता है।

टी-20 समूह का मंथन:जी-20 का भोपाल डिक्लेरेशन, आर्थिक विकास का पैमाना जीडीपी नहीं; बल्कि अब वेलबीइंग इंडेक्स हो

भोपाल, ईएमएस। वैश्विक मुद्दों पर मंथन के लिए भोपाल में जुटे जी-20 समूह के थिंक टैंक (टी-20) ने दुनियाभर से आर्थिक तरक्की का पैमाना बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि आर्थिक विकास का पैमाना जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद न हो। इसकी जगह वेलबीइंग इंडेक्स को पैमाना बनाएं। भारत, ब्राजील, साउथ अफ्रीका जैसे देश अब नीति निर्माता की भूमिका में आएं, न कि नीति पालन करने वालों में। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हुए दो दिनी मंथन के बाद टी-20 समूह ने 10 बिंदुओं का 'भोपाल डिक्लेरेशन' भी जारी किया। यह डिक्लेरेशन बाद में जी-20 समूह को भेजा जाएगा। डिक्लेरेशन में कहा गया कि बच्चे हमारा भविष्य हैं, इसलिए समावेशी विकास के लिए बच्चों के जीवन की शुरुआती अवस्था में निवेश किया जाना चाहिए। इसमें आधारभूत शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, कुपोषण से लड़ने की सहायता शामिल हो। जी-20 इसमें अहम रोल निभाए। यूनिसेफ के क्षेत्रीय निदेशक जॉर्ज लारिया-अदजेई ने कहा कि आखिरकार हमें अपना भविष्य यानी पूरी पृथ्वी अपने

बच्चों के हाथों में सौंपनी है। कार्यक्रम के बाद मीडिया से चर्चा में बांग्लादेश के सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉग के फेलो डॉ. देबोप्रिया भट्टाचार्य ने कहा कि रोहिंग्याओं के पुनर्वास में रूस, चीन, भारत जैसे ब? देश मदद करें। हम चाहते हैं कि रोहिंग्या सक्षम होकर वापस जाएं। लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।भारत के बाद अगले जी-20 की अध्यक्षता ब्राजील करेगा। इस कार्यक्रम में ब्राजील के प्रतिनिधि डॉ. आंद्रे डी मेलो इ सूजा ने कहा कि यह उचित समय है कि हम अब नीति पालन करने वालों की बजाय नीतियां बनाने वाले देश बनें।जोशीमठ पर चर्चा, फ्रेमवर्क बनेउत्तराखंड के जोशीमठ में इन दिनों जो भी चल रहा है, उसका चर्चा टी-20 समूह ने की, लेकिन डिक्लेरेशन में इसका पर कुछ नहीं लिखा गया। समूह ने ऐसी घटनाओं पर सरकार को एक फ्रेमवर्क बनाने का सुझाव दिया।डिक्लेरेशन में इस बात पर बल दिया गया है कि समूह देश भारत में सदियों से प्रचलित आयुर्वेद, सिद्धा और होम्योपैथी (आयुष) को जी-20 के माध्यम से मुख्य धारा में लाकर अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म दें।मप्र नीति आयोग के उपाध्यक्ष सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि विकास को मानव कल्याण से जो?ना चाहिए। सारे कामों का आकलन वेल बीइंग (मानव कल्याण) के मानकों पर हो। उन्होंने कहा कि अब तक लीस्ट डेवलपिंग देशों की श्रेणी में रहे बांग्लादेश, नेपाल और भूटान जैसे प?ोसी देश 2026 तक विकासशील देशों की श्रेणी में होंगे। इस लक्ष्य के लिए इन देशों को भारी धनराशि की जरूरत होगी। इसके लिए जी-20 फोरम विश्व का ध्यान इस ओर आकर्षित कराए, ताकि इन देशों की मदद हो सके।

धनबाद मण्डल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते तीन गाड़ियों का मार्ग परिवर्तित रहेगा

रेलयात्री 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करें

जबलपुर यशभारत। पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद मण्डल में करैला रोड जंक्शन, अनपरा और मिर्चाधूरी स्टेशनों पर नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की अवधि में इस मार्ग से होकर पमरे से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली तीन गाड़ियों को भी परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। 18. जनवरी को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रवाना होने वाली गा?ी संख्या 11447/11448 जबलपुर-हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया जबलपुर-कटनी साऊथ-प्रयागराज छिवकी-पंडित दीनदयाल उपाध्याय-डेहरी ऑन सोन-गढ़वा रोड स्टेशन होकर गन्तव्य को जाएगी। अर्थात शक्ति पुंज एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में इस अवधि में सिंगरौली एवं चौपन स्टेशन नहीं जाएगी। 18 जनवरी को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13026 भोपाल-हावढ़ा एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया कटनी मु?वारा-कटनी-सतना-प्रयागराज छिवकी-पंडित दीनदयाल उपाध्याय-डेहरी ऑन सोन-ग?वा रोड स्टेशन होकर गन्तव्य को जाएगी यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 से गा?ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

21 जनवरी तक प्रतिदिन होगी शारीरिक दक्षता परीक्षा

जबलपुर यशभारत। रेलवे में ग्रुप डी की भर्ती प्रक्रिया के शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन रेलवे स्टेडियम में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारीयों की उपस्थित में हो रहा है. इस भर्ती प्रक्रिया में रेलवे ने कुल 10743 उम्मीदवारो को बुलाया है जिसके तहत दूसरे दिन 2500 उम्मीदवारों में से 2072 उम्मीदवार रेलवे द्वारा आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौ?) में शामिल हुए.रेलवे की इस परीक्षा के अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा के साथ ही रेलवे भर्ती प्रकोष्ट के अध्यक्ष डा. रमेश राव तथा सहायक कार्मिक अधिकारी अरविन्द पांडे ने सुबह रेलवे स्टेडियम का निरीक्षण करके व्यवस्थाओ को देखा तथा पूरी भर्ती प्रकिया को पारदर्शी पाया. रेलवे स्टेडियम जबलपुर में आयोजित उक्त शारीरिक दक्षता परीक्षा आगामी 21 जनवरी तक प्रतिदिन आयोजित होगी जिसमे रेलवे के ग्रुप डी में भर्ती हेतु अधिसूचना क्र.01/2019 के तहत आवेदन करने बाले अभ्यार्थियों को रेलवे ने परीक्षा में सम्मिलित होने बुलाया हैं।

डीआरएम कार्यालय में रांगेय राघव की जयंती मनाई

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल मे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय जबलपुर के सेठ गोविंद दास हिंदी पुस्तकालय में राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित हिंदी सहित्य जगत के महान साहित्यकार रांगेय राघव जी की जयंती मनाई गई। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी दीपक कुमार गुप्ता ने की तथा अतिथि के रूप में वर्तिका साहित्यिक संस्था के सयोंजक व स्थानीय कवि विजय नेमा एवं रेल कर्मी मंचीय कवि प्रमोद भटट नीलांचल उपस्थित हुए। जिनका राजभाषा विभाग के द्वारा पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अनुवादक किशोर कुमार साहू द्वारा किया गया. कार्यक्रम के अध्यक्ष दीपक कुमार गुप्ता व अतिथियों द्वारा श्री रांगेय राघव जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया व उपस्थित रेल कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर महान साहित्यकार को याद किया श्री गुप्ता ने अपने वक्तव्य में रांगेय राघव जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राघव जी उन बहुमुखी प्रतिभा वाले रचनाकारों में से थे जिन्होंने लगभग 40 वर्ष की अल्पायु में ही एक साथ उपन्यासकार, कहानीकार, निबंधकार, आलोचक, नाटककार, कवि, इतिहासवेत्ता तथा रिपोतार्ज लेखक के रूप में स्वयं को प्रतिस्थापित कर दिया था। कार्यक्रम के अतिथि स्थानीय साहित्यिक संस्था वर्तिका के संयोजक विजय नेमा व रेल कर्मी मंचीय कवि प्रमोद भटट नीलांचल द्वारा रांगेय राघव के जीवन, उनके साहित्यिक सफर पर प्रकाश डाला गया साथ ही उन्होंने अपनी कविताओं से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा विजय नेमा व प्रमोद भट्ट नीलांचल का शॉल ओ?कर व श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं में से रेल कवियों द्वारा अपनी स्वरचित कविताओं का पाठन किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ अनुवादक किशोर कुमार साहू द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम समाप्त किया गया।

पमरे मुख्यालय की राजभाषा मार्गदर्शिका वर्ष 2023 का विमोचन

जबलपुर यशभारत। महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व तथा अपर महाप्रबंधक/मुख्य राजभाषा अधिकारी शोभन चौधुरी के सम्यक मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे पर भारत सरकार की राजभाषा नीति का समुचित अनुपालन किया जा रहा है। राजभाषा नीति को और प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में मंगलवार को महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, सुधीर कुमार गुप्ता के करकमलों से राजभाषा मार्गदर्शिका वर्ष 2023 का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर महाप्रबंधक, शोभन चौधुरी, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, आर.एस. सक्सेना, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक राजेश पाठक, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक डी. सी. अहिरवार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस. के. अलबेला, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त पी.के. गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजिनियर अनिल कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक पंकज शर्मा सहित पश्चिम मध्य रेलवे के अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित थे। मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि राजभाषा मार्गदर्शिका में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को ब?ावा देने वाली कई महत्वपूर्ण सूचनाओं को संजोया गया है। इसमें भारत सरकार की राजभाषा संबंधी नीतियों, राजभाषा नियमों एवं अधिनियमों को संकलित किया गया है। साथ ही अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सरकारी कामकाज में दिन-प्रतिदिन की राजभाषा प्रगति का विवरण भी दर्ज किया जा सकता है। इसके अलावा रेलकर्मियों के लिए पदोन्नति परीक्षाओं में पूछे जाने वाली राजभाषा संबंधी कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ जैसे- राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976, आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं के नामों की जानकारी भी शामिल है। साथ ही धारा 3 (3), के अन्तर्गत शामिल 14 दस्तावेजों की जानकारी, राजभाषा प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजनाओं की जानकारी भी सम्मिलित की गई है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यालय के राजभाषा अधिकारी श्री राज रंजन श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर को मिलेगा रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक,पमरे को चल वैजयंती शील्डपश्चिम मध्य रेल को रेलवे बोर्ड से राजभाषा के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण पुरस्कार मिलने की घोषणा हुई है। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, रविशंकर सक्सेना को रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से नवाजा जाएगा। इसके अलावा रेलवे बोर्ड की आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी चल वैजयंती शील्ड जबलपुर मंडल को प्रदान करने का निर्णय रेलवे बोर्ड स्तर पर किया गया है। इसके लिए महाप्रबन्धक सुधीर कुमार गुप्ता ने सम्पूर्ण पश्चिम मध्य रेलवे के रेल अधिकारियों एवं रेलकर्मियों को बधाई दी है।

जिंदगी जिन्दाबाद का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर,यशभारत। मझौली में मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल एवं जिला क्षय एवं एड्स नियंत्रण अधिकारी जबलपुर के संयुक्त तत्वधान में जबलपुर जिले में लोककला के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी लोक कला दल भारतीय कला संगम जबलपुर के लोक कलाकारों द्वारा लोकनाट्य च्जिंदगी जिन्दाबादज्ज का प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसमें एच. आई. वी. एड्स की जानकारी दी जा रही है। एच. आई. वी. एड्स क्या है कैसे फैलता है। इससे कैसे बचा जाये। यदि एच. आई. वी. एड्स हो जाये तो क्या करना चाहिये। ये सारी बातें नाटक के माध्यम से आम जनता को बताई जा रही है। एच. आई. वी. एड्स चार कारणों से फैलात है एवं इसके बचने के भी चार उपाय है। आई. सी. टी.सी. केन्द्र में जाकर कोई व्यक्ति अपनी जाँच करा सकता है एवं परामर्श ले सकता है। सारी जानकारी गुप्त रखी जाती है। वो मरीज के अलावा किसी को नहीं बताई जाती। टोल फ्री नं. 1097 के माध्यम से आप घर बैठे एच. आई. वी. एड्स की जानकारी ले सकते है। जानकारी ही बचाव है, यौन रोगी एवं टी.बी. के मरीजों को अपनी एच. आई. वी. एड्स की जांच जाकर करानी चाहिए। क्योंकि इन रोगियों को एच. आई. वी. होने का खतरा सामान्य लोगों से ज्यादा होता है। ये कार्यक्रम जिला क्षय एवं एड्स नियंत्रण अधिकारी श्री डॉ. धीरज दावन्डे के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है और नोक नाट्य आर.के. जायसवाल के निर्देश में किया जारहा है। ये कार्यक्रम निम्न ग्रामों, कुण्डम, भौंगा देवरी, तिलसानी, पड़रिया, सिहोरा, मझगवाँ, गोसलपुर, बुढ़ाकर, पनागर, कुशनेर, छतरपुर, निभोरा, मझौली, इन्दाना, लमकना, दर्शनी, बरगी, जोतपुर में प्रस्तुत किये जायेंगे।

पैसेंजर ट्रैफिक से 1541 करोड़ रूपये से अधिक रेवन्यू अर्जित किया

जबलपुर यशभारत। पश्चिम मध्य रेल जबलपुर सहित तीनों मण्डलों के यात्रियों की सुविधाओं में उत्तरोत्तर विकास करते हुए पैसेंजर ट्रैफिक में रेलवे राजस्व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके परिणामस्वरूप पमरे महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में *वित्तीय वर्ष के अप्रैल से दिसम्बर 2022 तक पैसेंजर ट्रैफिक से 1541 करो? 80 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 949 करो? 18 लाख रूपये की तुलना में 62 प्रतिशत से अधिक हैं। पैसेंजर ट्रैफिक में मण्डल स्तर पर अप्रैल से दिसम्बर 2022 तक रेल राजस्व जबलपुर मण्डल* ने 584 करो? 34 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 408 करो? 48 लाख रूपये की तुलना में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई इसी तरह से भोपाल मण्डल* ने 585 करो? 91 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 324 करो? 09 लाख रूपये की तुलना में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई एवं कोटा मण्डल* ने 371 करो? 34 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग आय अर्जित की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 216 करो? 60 लाख रूपये की तुलना में 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई।उल्लेखनीय है कि पमरे द्वारा पैसेंजर ट्रैफिक में रेलवे राजस्व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। जिसमें यात्रियों के लिए अधिक से अधिक सुविधाओं का विस्तार करके रेल यात्रा को सुरक्षित और बेहतर बनाया जा रहा हैं। इसके आलावा समय-समय पर समर स्पेशल, त्यौहार स्पेशल एवं परीक्षा स्पेशल ट्रेनों को भी चलाया साथ ही यात्री ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। यात्री ट्रेनों की गति में वृद्धि की गई साथ ही समयपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा पैसेंजर ट्रैफिक की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

नीलम सिंह को मिला भारत भूषण सम्मान

जबलपुर- शहर की हेल्थ केयर वर्कर नीलम सिंह रेहल को भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह एवं कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय पुरस्कार, भारत भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर संस्कारधानी मेयर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं पश्चिम क्षेत्र विधायक पूर्व वित्तमंत्री तरुण भनोत ने जबलपुर शहर का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। चिकित्सा व समाजसेवा के क्षेत्र में दी गई सेवाओं के लिए उन्हें भारतीय सेना के मेजर जनरल तेजपाल सिंह रावत, बॉलीवुड स्टार अरुण बक्शी व अतिथियों ने सम्मानित किया। आप पूरन लाल सिंह की पुत्री एवं कार्तिक कृष्ण रेहल की पत्नी हैं।

गौमुख मेले में 251 किलो खिचडी का भंडारा

जबलपुर, यशभारत। गौमुख के मेले में 251 किलो की खिचड़ी का भंडारा हमारे परिवार बुआ श्री बिल्कीस दुबे अरविंद तिवारी प्रशन उपाध्याय जी आशीष शुक्ला सरपंच ग्राम रिछाई अभय शुक्ला शारदा मंदिर व्यवस्थापक आयुष तिवारी मां शारदा देवी बरेला परिवार के द्वारा विशाल भंडारा कराया गया जिसमें सत्येंद्र गर्ग सत्येंद्र पटेल संतोष पटेल का विशेष सहयोग रहा।

श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बेलखाडू, यशभारत। बेलखाडू से पनागर मार्ग स्थित ग्राम पिपरिया में चल रही सप्तदिवसिय भागवत कथा के चौथे दिन भगवान द्वारकाधीश का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मैहर धाम से आए कथा व्यास अवधेश प्रसाद तिवारी ने भगवान के जन्मोत्सव के पूर्व देवकी वासुदेव सहित भागवत की अनेक बातों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब जब इस धरती पर पाप बढ़ने लगता है तब तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर इस धरती को पाप मुक्त करने अवश्य आते हैं फिर चाहे वो कृष्ण का रूप हो या राम का। मनुष्य के जीवन में अच्छे व बुरे दिन प्रभु की कृपा से ही आते हैं। मंगलवार को भागवत कथा में धूम धाम सेकृष्ण जन्मोत्सव मनाया। कथा सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। उन्होंने कहा कि जिस समय भगवान कृष्ण का जन्म हुआ, जेल के ताले टूट गये। पहरेदार सो गये।वासुदेव व देवकी बंधन मुक्त हो गए। प्रभु की कृपा से कुछ भी असंभव नहीं है। कृपा न होने पर प्रभु मनुष्य को सभी सुखों से वंचित कर देते हैं। भगवान का जन्म होने के बाद वासुदेव ने भरी जमुना पार करके उन्हें गोकुल पहुंचा दिया। वहां से वह यशोदा के यहां पैदा हुई शक्तिरूपा बेटी को लेकर चले आये। कृष्ण जन्मोस्तव के मौके पर ग्राम पिपरिया से भक्तों की टोली बाजे गाजे ओर आतिशबाजी के साथ भगवान कृष्ण को सिर पर रखे हुए वासुदेव की झांकी सजाए हुए कथा प्रांगण पहुँचे। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा प्रांगण में भारी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे एवं नंद घर आनंद भयो जैसे सुमधुर भजनों से श्री कृष्ण का स्वागत किया सभी श्रद्धालु भक्तजनों ने जमकर नृत्य किया एवं हर्षोल्लास के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया।

वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई की बैठक का हुआ आयोजन

गोटेगांव, यशभारत। विगत दिवस वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश युवा इकाई की संभागीय अध्यक्ष एवं संभाग प्रभारियों की एक अति आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के साथ साथ आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार किए जाने के उपरांत प्रदेशाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता प्रिंस ग्वालियर एवं कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट विकास डागा इंदौर द्वारा 16 संभागों के उपस्थित प्रतिनिधियों को मार्गदर्शन दिए जाने के उपरांत जबलपुर एवं नरसिंहपुर युवा इकाई द्वारा समाज के लिए लगातार उल्लेखनीय कार्यों को करने वाले माननीय प्रदेशाध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता एवं मा.सुधीर अग्रवाल का पुष्पमाला पहनाकर शाल श्रीफल स्मृतिचिन्ह देकर अभिनंदन स्वागत सत्कार किया गया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बी.ड़ी सोनी तहसील अध्यक्ष पंकज जैन पार्षद मनीष जैन संदीप जैन संजय जैन सचिन जैन दीपक जैन सहित अनेक पदाधिकारी सदस्यगण उपस्थित थे।

लाखों नगदी सहित जेवरात चुराकर,चोर हुए रफूचक्कर

गोटेगांव - विगत दिवस नगर के समीपवर्ती जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम सहजपुरा के स्थाई निवासी जगदीश पटेल एवं रामजी पटेल के घर में बीती रात चोरों ने तिजोड़ी तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है साथ ही साथ कमरे में रखी अन्य पेंटियों के ताले तोड़कर लाखों रुपए नगदी एवं जेवरात आभूषण चुराकर फरार हो गए जब घटना की सुबह जानकारी लगते ही घर मालिक रामजी पटेल,जगदीश पटेल ने क्षेत्रीय गोटेगांव थाना पहुंचकर चोरी की घटना की शिकायत दर्ज कराई मामले को संज्ञान में लेते हुए गोटेगांव थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल कर अज्ञात चोरों की तलाश में पुलिस जुटी आए दिन क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्रवासी भयभीत है।

शिव महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ 21 जनवरी से

गोटेगांव - नगर के स्थानीय ठाकुर बाबा वार्ड नया वाजार समीप नर्मदा मंदिर प्रांगण में आगामी दिनांक 21 जनवरी 2023 से 27 जनवरी 2023 तक समय दोपहर 2-00 से 5-00 बजे तक श्री शिव महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन कथा व्यास राम नरेश शास्त्री काशी बनारस वालों के शुभ मुखारविंद से आयोजन किया जा रहा है इस कार्यक्रम का आयोजन विगत 28 वर्ष से यथा पूर्वक संचालित है जिसमें चरण सेवक पंडित लखनलाल उपम्मन नर्मदा मंदिर पुजारी के द्वारा किया जा रहा है जिसमें रुद्री निर्माण महा अभिषेक 8-00 से 10-00 तक किया जाएगा एवं मां नर्मदा जी का जन्मोत्सव समारोह 28 जनवरी को मनाया जाएगा शोभायात्रा सुबह 11-00 बजे से मां नर्मदा मंदिर प्रांगण से मरघट तक निकाली जाएगी ।

महर्षि विद्यालय वार्षिकोत्सव आयोजित

जबलपुर, यशभारत। महर्षि विद्यालय मदन महल के वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओ द्वारा माँ नर्मदा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति महर्षि विद्या मंदिर मदन महल का वार्षिक उत्सव का कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या श्रीमती रेणुका आर नायडू द्वारा कराया गया। इस कार्यक्रम के विनय सक्सेना विधायक (उत्तरीय क्षेत्र) रहे। मुख्य अतिथि गुरु परम्परा पूजा से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस वार्षिक उत्सव की थीम माँ नर्मदा रखी गई। किसी भी विद्यालय का वार्षिक उत्सव उस विद्यालय का दर्पण होता है। नमो नमो दी शंकरा जख्मी है तेरा अंग-अंग 1 जैसे देश भक्ति गीत पर नन्हें मुन्ने बच्चों की नृत्य प्रस्तुति ने सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया तो वहीं मैया रेवा ओ. जो सांझ ख्वाव देखते जैसे गीत पर नैना - वर दे वीणा आईगरी नंदिनी- छात्र - छात्राओं ने देवी - देव बनकर नृत्य प्रस्तुति करके सभी को अपनी तरफ आकर्षित किया। बच्चों ने नृत्य नाटिका के जरिए बाल श्रमिक की व्यथा का वर्णन किया है। सभी मे रंगा रंग प्रस्तुतियों को हर्षोल्लास से मनाया ।

सिलावट समाज नरसिंहपुर की जिला कार्यकारिणी घोषित

गोटेगांव , यशभारत। जिला सिलावट समाज संघ नरसिंहपुर की जिला कार्यकारिणी का चयन प्रदेश अध्यक्ष टावल सिंह सिलावट के निर्देश एवं प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति से नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष गौरीशंकर सिलावट द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई जिसमें संरक्षक डीएल चांदोलिया (शिक्षक) भाईलाल विरतिया एडवोकेट,उपाध्यक्ष परम सिंह महोलिया ठेकेदार,सचिव उमाशंकर छिरा, (बीएलओ),कोषाध्यक्ष रंजीत पिपलिया,महामंत्री राकेश बझैया,मंत्री हुकुम सिंह उनेहा ,संगठन मंत्री रोशन सिंह सिलावट,सह संगठन मंत्री सरमन पिपरोलिया, सह सचिव कमलकांत सिलावट, संजय चांदोलिया,प्रचार मंत्री कुंवरमन बिरतिया, मीडिया प्रभारी कान्हा छिरा, सह सहमीडिया प्रभारी शुभम छिरा (गोलू),प्रवक्ता रवि बिरतिया (जनपद सदस्य), राजाराम बिडवार,राजाराम कस्तवार (पूर्व जनपद सदस्य), वरिष्ठ सदस्य चिरौंजीलाल (ठेकेदार) ,राजेंद्र छिरा ,गोविंद बझैया , भूपतसिंह कस्तवार(पहलमान), दिनेश परसवाल (सरपंच), जीवन छिरा ,अशोक कस्तवार(पूर्व जनपद सदस्य),अमल जारोलिया, किशोर भगत (कवि), संतोष नादान (कवि) रमेश चांदोलिया (पटवारी) ,संतोष भगत(कवि),धरम बझैया, सरमन चांदोलिया ,गोकुल बझैया, भोपत सिंह छिरा,गोकल बरसैंया,चाऊलाल बरसैया (नेताजी), प्रकाश बझैया (चक्की वाले ठेकेदार) मूरत परसवाल (ठेकेदार) उजयार सिंह आदि लोगों की नियुक्ति से संगठन में हर्ष व्याप्त है नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज के वरिष्ठजनों ने बधाई दी।

सड़क पर घण्टों चार पहिया वाहन खड़े रहने से लगता है जाम

गोटेगांव, यशभारत। गोटेगांव शहर के मुख्य मार्ग पर चार पहिया वाहन घंटों से खड़े रहने के कारण आए दिन जाम लगता रहता है नगर में यह जाम लगने की बात अब आम हो गई है चाहे जब जाम लग जाता है अनियंत्रित तरीके से ट्रैफिक व्यवस्था चल रही है कहीं भी कोई भी साहेब अपनी चार पहिया वाहन खड़ी करके शॉपिंग में लग जाते हैं या फिर यहां वहां हो जाते हैं जिस कारण दूसरे वाहन जो इस मार्ग से निकलते हैं उन्हें भारी मशक्कत करनी पड़ती है बाईपास बनने से भी नगर में यातायात व्यवस्था पर कोई फर्क नहीं पड़ा है भारी वाहनों का निकलना मुख्य मार्ग से बदस्तूर जारी है यहां पर कोई कानून व्यवस्था बची ही नहीं है चाहे जब मुख्य मार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो जाता है जिस कारण से मरीजों की इलाज के लिए जाने वाली एंबुलेंस भी रुक जाती है इस पर भी शासन का ध्यान कभी इस ओर आकृष्ट ही नहीं हुआ है भारी वाहनों की धमाचौकड़ी बाईपास से ना होकर मुख्य मार्ग से निकलती है जिस कारण दोपहिया चार पहिया और बड़े बड़े वाहन इस सड़क पर जाम लगाते हुए नजर आते हैं यदि भारी-भरकम शहर में अनुपयोगी कार्य से आने वाले वाहन बाईपास से निकलने लगे तो नगर में मुख्य मार्ग पर कुछ जवाब कम हो सकता है और तो और इस नगर में ट्रैफिक व्यवस्था भी नहीं है यहां पर ज्यादा यातायात का दबाव रहता हो वहां पर ट्रैफिक व्यवस्था भी होनी चाहिए नगरवासी और मुख्य बाजार वासी एवं दुकानदार तथा पैदल चलते राहगीर भी इस जाम से परेशान होने लगे हैं फिर भी शासन की कानों में जूं नहीं रेंग रही है नगर वासियों ने नगर के मुख्य मार्ग को जाम से निजात दिलाने की मांग की है।यातायात पुलिस की व्यवस्था नहीं होने से नगर की जनता यातायात जाम और अवरुद्ध होने का खामियाजा भुगत रही है इस पर सड़क भी कंडम होती जा रही हैं।भारी भरकम वाहनों का नगर में प्रवेश रोका जाए यह भी एक समस्या बनी है।लोग चार पहिया वाहन खरीद तो लेते है। परन्तु रखने की जगह के अभाव के चलते कहीं भी गाड़ी को पार्किंग कर देते हैं अधिकतर मुख्यसड़क पर पार्किंग कर दी जाती है जिससे जाम की स्थिति बनती है।

नहीं है कोई यातायात पुलिस की व्यवस्था

गोटेगांव शहर की यातायात व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है स्टाफ की कमी से जूझ रहे सभी विभागों की तरह यह विभाग भी अपंग और असहाय साबित हो रहा है जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाओं का सबब बनता जा रहा है मुख्य बाजार हो या नागपुर बॉम्बे रोड कहीं भी जाम लगने से देर नहीं लगती यातायात पुलिस ना होने के कारण गोटेगांव में कभी ठाकुर बाबा मंदिर के समीप कहीं जबलपुर नाका माता महाकाली के समीप कहीं भगत राम चौराहा कहीं पेट्रोल पंप या कहीं फव्वारा चौक पर जाम की स्थिति बन जाती है अगर यातायात की व्यवस्था और यातायात पुलिस नियुक्त हो जाए तो गोटेगांव की यातायात व्यवस्था पटरी पर आ सकती है नगर वासियों ने शासन से इस ओर ध्यान देने की अपेक्षा की है जिससे नगर वासियों को मुख्य सड़क पर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी।

बिजनेस बेचा-जमीन भी गिरवी..

अपना सबकुछ गंवाकर हॉकी चैंपियन तैयार कर रहा यह गुमनाम कोच

राउरकेला, एजेंसी। ये कहानी है ओडिशा के डोमिनिक टोप्पो की। 71 साल का वो जूनुनी कोच जिनके चुस्त शरीर से उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगता। हॉकी के लिए ऐसा पैशन, ऐसा पागलपन कि अपना बिजनस तक बेच दिया। पुश्तैनी जमीन गिरवी रख दी। कभी-कभी तो दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती, लेकिन हॉकी प्लेयर्स तैयार करने की भूख बरकरार है। ये डोमिनिक जैसे लोग ही हैं, जिनके बूते देश में हॉकी की आत्मा जिंदा है। वरना क्रिकेट की अमीरियत के नीचे अपना नेशनल गेम कब का दम तोड़ चुका होता।

सूरज के उगने से पहले उठना और ढलने के बाद ही घर पहुंचना, बीते 22 साल से डोमिनिक टोप्पो का रूटीन कुछ ऐसा ही है। डेली 40-50 किलोमीटर साइकल चलाकर मैदान पहुंचते हैं। छोटे बच्चों को स्टिक पकड़ना सिखाते हैं। प्यार से समझाते हैं तो कभी चिल्लाते हैं। इस हॉकी ने टोप्पो से उनका सबकुछ छिन लिया। अच्छी-खासी चलते वाली राशन की दुकान बंद हो गई। पुश्तैनी जमीन बिक गई। मगर ये संघर्ष जाया नहीं गया। उन्होंने 100 से ज्यादा नेशनल प्लेयर्स तैयार किए, जिसमें से 13 भारतीय टीम के लिए खेले या खेल रहे हैं।

ओडिशा के राउरकेला के रहने वाले डोमिनिक टोप्पो उन कोचेस में से एक हैं, जिन्हें कभी वो पहचान, दौलत-शोहरत नहीं मिलती, जिसके वो हकदार हैं, लेकिन नेम-फेम चाहिए भी किसे था। टोप्पो की हॉकी फैक्ट्री सबसे अलग हैं। सबसे जुदा है। यहां कोई मॉर्डन टेक्निक नहीं है। कोई प्रेजेंटेशन कोई, वीडियो फुटेज नहीं है, सिर्फ जज्बा है और हॉक के लिए पागलपन।

अपने इस सफर के बारे में डोमिनिक टोप्पो बताते हैं, च्मेरा पिता हॉकी खेला करते थे तो ये खेल मुझे विरासत में मिला। पूरा बचपन हॉकी फील्ड में ही गुजरा। शुरुआत में बांस की लकड़ी से खेला करता। उसी लकड़ी सारे डिफेंडर्स को छकाता और एक गोल पोस्ट से दूसरे गोल पोस्ट तक पहुंच जाता। तब मुझे कोई गाइड करने वाला नहीं था। भारतीय टीम से खेलने का सपना सिर्फ सपना ही रह गया। अब बच्चों को भारतीय टीम के लिए तैयार कर अपना सपना पूरा कर रहा हूं।

ऐसा नहीं है कि हॉकी छोड़ते ही डोमिनिक टोप्पो कोचिंग करने लगे। पहले उन्होंने एक राशन दुकान खोली, जिससे बढ़िया आमदनी होने लगी, इसी के बूते कोच बनने की ठानी। शुरू में सिर्फ ऐसे बच्चों को ट्रेनिंग देते, जिनके मां-बाप नहीं है। ये आइडिया मदर टेरेसा से आया था। साइकिल में घूम-घूमकर बच्चों की खोज करते। लड़कों से लड़कियां ज्यादा अनुशासित होती है, इसलिए उन्हें ही ट्रेनिंग देते। इंटरनेशनल खिलाड़ियों को खेलते देखते फिर उसी स्टाइल में ट्रेनिंग देते।

इस बीच डोमिनिक टोप्पो की बीवी दुनिया को अलविदा कह देती है, जो उनकी बैकबोन थी। सपोर्ट सिस्टम थी। हॉकी के चलते राशन की दुकान में ध्यान नहीं दे पा रहे थे तो उसे भी बेच दिया। कोचिंग के खर्च ने 12 एकड़ पुश्तैनी जमीन गिरवी रखवा दी। न किसी से मदद मांगी और न कोई मदद करने आगे आया। जमीन गिरवी रखने के बाद 60 हजार रुपये मिले। ब्याज नहीं चुका पाने के चलते आज जमीन भी गंवा बैठे। अब उनकी आय का एकमात्र सोर्स सांगवान के वो पेड़ हैं, जिन्हें बेचकर वो 12-15 हजार रुपये महीने कमाते हैं। इन पैसों से अपनी टीम को देशभर में टूर्नामेंट खिलवाते हैं। कई बार तो इतने भी पैसे नहीं बचते कि खाना खा पाए।

अब आखिरी में कहानी वही खत्म जहां से शुरुआत हुई थी कि च्मेरी आखिरी सांस तक, जबतक मेरे भीतर जान है, मैं ये जारी रखूंगा, मैं यही काम करते-करते मर जाऊंगा

मैच से पहले भयंकर ड्रामा, कप्तान बीमार तो IPL स्टार को बुलाया फिर किया बेइज्जत

नई दिल्ली,एजेंसी। यश ढुल का रणजी ट्रॉफी सीजन खराब से बदतर हो गया जब दिल्ली के 'बीमार' कप्तान शुरू हो रहे चिर प्रतिद्वंद्वी मुंबई के खिलाफ शुरू हो रहे ग्रुप बी के मुकाबले से बाहर हो गए। सरफराज खान और पृथ्वी साव जैसे मुंबई के खिलाड़ियों को दिल्ली की कमजोर टीम के खिलाफ ढेरों रन बटोरेने की उम्मीद है जबकि मेहमान टीम पहली पारी में बढ़त लेकर कम से कम तीन अंक सुनिश्चित करना चाहेगी, जिससे कि क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रहे।

दूसरी ओर दिल्ली की टीम नॉकआउट की दौड़ से बाहर है और ढुल की अनुपस्थिति में उप कप्तान हिम्मत सिंह टीम की बागडोर संभालेंगे। पूर्व कप्तान नीतीश राणा को अब संभावित विकल्पों के अभाव में वापस बुलाया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पारी की शुरुआत कौन करेगा क्योंकि अंतिम एकादश में वापसी कर रहे अनुज रावत और आयुष बडोनी मध्य क्रम में बल्लेबाजी करना चाहते हैं। दिल्ली बनाम मुंबई मैच हमेशा से रणजी ट्रॉफी के सबसे हाई प्रोफाइल मुकाबलों में से एक होता है। लेकिन दिल्ली की टीम कई गेंदबाजों के चोटिल होने के बाद अपने पांचवे स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के साथ खेल रही है। सत्र के दौरान सीम और स्विंग की मदद करने वाली परिस्थितियों में धुल ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करने का जज्बा नहीं दिखाया।

टीम चयन से जुड़े डीडीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'पांच मैचों में 189 रन बनाने और पारी का आगाज करने के टीम प्रबंधन के अनुरोध को बार-बार ठुकराने के कारण अंतिम एकादश में ढुल की जगह पर खतरा था। यह आसान हो गया कि वह बीमार पड़ गया। उसे बुखार है और इसके कारण वह अनुपलब्ध है। उसने पिछले दो दिन से अभ्यास नहीं किया।'

भारत को लगा बड़ा झटका, वेल्स के खिलाफ मैच से बाहर हुए हार्दिक सिंह

भुवनेश्वर, एजेंसी। भारत के अटैकिंग मिडफील्डर हार्दिक सिंह पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण वेल्स के खिलाफ एफआईएच हॉकी विश्व कप के टीम के आखिरी ग्रुप मैच से बाहर हो गए हैं। टीम के लिए टूर्नामेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने वालों में से एक 24 वर्षीय हार्दिक ने स्पेन के खिलाफ भारत की 2-0 की जीत में एक गोल किया और फिर रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के दौरान कई मौके बनाए। राउरकेला में इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक को चोट लगी थी। मेजबान टीम गुरुवार को यहां वेल्स से खेलेगी। हालांकि उनकी स्थिति पर आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। टीम के एक करीबी सूत्र ने कहा कि वैकल्पिक खिलाड़ी पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है और यह संभावना नहीं है कि टीम भविष्य में ऐसी मांग करेगी। हार्दिक का एमआरआई और अन्य स्कैन किए गए तथा यह भी पता चला है कि टीम प्रबंधन उसे वेल्स के विरुद्ध खिलाने के खिलाफ है क्योंकि ऐसी स्थिति में चोट बढ़ने की आशंका है। रविवार को जब खेल खत्म होने में महज तीन मिनट बचे थे तब हार्दिक लंगड़ा कर मैदान से बाहर चले गए थे। मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा था कि यह उतना गंभीर नहीं है जितना शुरू में संदेह था।

पहले इंसान बन, फिर सोचना मुस्लिम होना क्या है

फराज के ट्रेलर में दिखा आतंक का घिनौना सच

मुंबई, ईएमएस। फिल्म च्फराज़ज का दमदार ट्रेलर रिलीज़ किया गया है, जिसमें आंतकवादियों का वीभत्स तांडव है। इस फिल्म से बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर शशि कपूर का पोता जहान कपूर बॉलीवुड में कदम बढ़ाने जा रहा है। इतना ही नहीं इसी फिल्म से परेश रावल के बेटे आदित्य रावल भी बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। 2 मिनट 6 सेकंड के इस ट्रेलर में युवा आतंकवादियों का एक झुंड एक महंगे कैफे में नरसंहार मचाता दिख रहा है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित इस फिल्म के निर्माता अनुभव सिन्हा हैं और यह 3 फरवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

परेश रावल के बेटे और शशि कपूर के बेटे की डेब्यू फिल्म

यह फिल्म ढाका मे हुए एक आतंकवादी हमले की कहानी है, जहां उन्होंने एक कैफे पर हमला कर दिया था और एक-एक कर कई मासूमों की जान ले ली थी। फिल्म में परेश रावल के बेटे आदित्य मुख्य आतंकी के रोल में हैं और वहीं फराज यानी जहान कपूर एक ऐसे युवक के किरदार में है जो आतंकियों के बीच घुसकर लोगों की जान बचाने के लिए कूद पड़ते हैं। ट्रेलर के कुछ डायलॉग लोगों के दिल और दिमाग को झकझोर रहे हैं। इस ट्रेलर में एक डायलॉग है जिसमें आतंकी अपने मिशन को अंजाम देते हुए कहता दिख रहा- इस्लाम खतरे में है। इसी बीच फराज आता है और कहता है- चुप रहो, हमारी आइडेंटिटी हमारे कल्चर से आती है, सिर्फ हमारे धर्म से नहीं। फिर वह कहते हैं- पहले इंसान बन, बाद में सोचना मुस्लिम होना क्या होता है। ट्रेलर में आतंकियों पर फौजियों के एक्शन की भी झलकियां हैं। फराज के किरदार को लोगों से भरपूर प्यार मिलता नजर आ रहा है।

फिल्म में इतने सारे कलाकार

फिल्म हंसल मेहता द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, अनुभव सिन्हा, साक्षी भट्ट, साहिल सहगल और मजाहिर मंदसौरवाला द्वारा निर्मित है। फिल्म में जहान कपूर और आदित्य रावल के अलावा जूही बब्बर, आमिर अली, सचिन लालवानी, पलक लालवानी और रेशम सहानी भी हैं।

बड़ी मुसीबत में फंसीं ऐश्वर्या राय बच्चन, टैक्स नहीं भरने पर घर पहुंचा नोटिस..

मुंबई, ईएमएस। बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन की सुंदरता की तो हर तरफ तारीफ होती है। वो हैं ही ऐसी। ऐश्वर्या के दीवाने हर जगह हैं। लेकिन कई बार एक्ट्रेस कई ऐसी खबरों में बनी रहती हैं, जिससे उनपर सवाल खड़े हो जाते हैं। वैसे तो ज्यादातर ऐश्वर्या अपने परिवार के साथ ही व्यस्त रहती हैं लेकिन वो इस बार कुछ अलग तरह की ही मुसीबत में फंस गई हैं। ऐश्वर्या राय का नाम बकाया टैक्स वाली लिस्ट में आ गया है। खबर है कि ऐश्वर्या राय की जमीन पर बाकी टैक्स के चलते नासिक के तसलीदार ने एक्ट्रेस के खिलाफ नोटिस भेजा है।

जानकारी के मुताबिक ऐश्वर्या राय बच्चन को सिन्नर (नासिक) तहसीलदार के तरफ से नोटिस भेजा गया है। बता दें कि नासिक के सिन्नर के अड़वाड़ी इलाके में ऐश्वर्या राय की पवन चक्की के लिए जमीन है। इसी जमीन का एक साल का 21,960 रुपया टैक्स के रूप में बकाया है, जिसके चलते सूबे के तहसीलदार की ओर से ऐश्वर्या राय के खिलाफ ये नोटिस भेजा गया है।

एक हेक्टेयर जमीन

खबरें हैं कि ऐश्वर्या के पास सिन्नर के थानगांव के पास अदवाड़ी के पहाड़ी इलाके में करीब 1 हेक्टेयर जमीन है और ऐश्वर्या पर इस जमीन का एक साल का टैक्स बकाया है। ऐसे में ऐश्वर्या के साथ 1200 संपत्ति मालिकों को भी टैक्स बकाया के लिए नोटिस जारी किया गया है। इस तरीके से ऐश बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गई हैं।

मार्च तक चुकाना है बकाया

राजस्व विभाग की तरफ से यह कार्रवाई की गई है और मार्च के अंत तक वसूली को पूरा करने के लिए कहा गया है, क्योंकि मार्च का महीना राजस्व विभाग के लिए क्लोजिंग का महीना होता है। हालांकि ऐश्वर्या राय ने अभी इस मामले पर रिएक्ट नहीं किया है। बताया जा रहा है कि ऐश्वर्या ने पवन ऊर्जा उत्पादन करने वाली कंपनी सुजलॉन में निवेश किया है। ऐश्वर्या राय के अलावा भी कई मशहूर हस्तियों ने भी पवन ऊर्जा कंपनी सुजलॉन में निवेश किया है।

Sushant Singh Rajput की मौत के ढाई साल बाद उनके डॉगी फज की डेथ

मुंबई, एजेंसी। करीब ढाई साल पहले सुशांत सिंह राजपूत की मौत हो गई थी और अब उनका डॉग फज भी इस दुनिया को अलविदा कह गया है। सुशांत अपने डॉग फज के बेहद करीब थे। वह उसके साथ खूब मस्ती करते और उनके वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते। लेकिन सुशांत की मौत के बाद से फज का बुरा हाल हो गया था। वह गुमसुम रहने लगा था। और अब उसकी मौत ने सुशांत के फैंस को दुखी कर दिया है। वो सोशल मीडिया पर सुशांत सिंह राजपूत और फज के वीडियो शेयर कर भावुक हो रहे हैं। Sushant Singh Rajput ·¤è ÕãÙ Priyanka Singh ने ट्विटर पर स्नह्वस्नद्दद्ग की मौत के बारे में बताया और उसकी दो तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरें शेयर कर प्रियंका सिंह ने लिखा, च्फज आखिरकार तुम भी अपने दोस्त के पास स्वर्ग में चले गए। जल्द मिलूंगी। तब तक...मेरा दिल बुरी तरह टूट चुका है। Fudge का 21 जनवरी को बर्थडे है, लेकिन इससे पहले ही फज की मौत हो गई। फैंस सुशांत के डॉग फज की मौत पर भावुक हो रहे हैं और प्रियंका सिंह को भी हिम्मत दे रहे हैं। एक फैन ने ट्वीट किया है, च्मेरा दिल बुरी तरह टूट गया है। उम्मीद है कि स्वर्ग में दोनों एक बार फिर मिल गए होंगे। फज और सुशांत ही एक-दूसरे को अच्छी तरह से समझते थे।ज एक अन्य फैन ने लिखा, च्दी प्लीज हिम्मत रखो। समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं। इस खबर से दिल बुरी तरह टूट गया है। मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती। लेकिन खुशी की बात यह है कि अब फज अपने दोस्त के पास चला गया है।

फज को ट्रिप पर भी ले जाते थे सुशांत सिंह राजपूत

सुशांत सिंह राजपूत डॉग फज के साथ बहुत खेलते थे। यही नहीं, वह उसे अपने साथ ट्रिप पर भी लेकर जाते थे। सुशांत की मौत के बाद जब फज मायूस हो गया और खाना-पीना बंद कर दिया तो एक्टर के परिवार वाले उसे अपने साथ ले गए थे। सुशांत की 3 और डॉग थे- अमर, अकबर और एंथनी, जिन्हें बाद में किसी और ने गोद ले लिया। सुशांत ने इन डॉग के लिए फार्महाउस लेने का भी प्लान बनाया था।

सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत क्रिकेट फुटबॉल और परंपरागत खेलों का हुआ आयोजन

सांसद खेल महोत्सव में खिलाड़ी कर रहे शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन : रोहाणी

जबलपुर, यशभारत। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत होने वाले आयोजन में जबलपुर से उभरते खिलाड़ी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में जबलपुर का नाम देश के साथ पूरी दुनिया में रोशन करेंगे ग्राम पंचायतों और वार्डो की इकाई से उभरते हुए निरंतर प्रयासरत खिलाड़ी आगे बढ़ रहे हैं और अच्छा खेल प्रदर्शन कर रहे हैं जो प्रशंसनीय है यह बात कैंट विधायक श्री अशोक रोहाणी ने सांसद खेल महोत्सव के आयोजन में रानीताल स्टेडियम में कहीं ।

अशोक रोहाणी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत जबलपुर के सांसद राकेश सिंह ने अनुपम खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है जिसके माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर रहे हैं सांसद खेल महोत्सव में सभी खेलों का समावेश है परंपरागत खेलों से लेकर आज के दौर के खेल सांसद खेल महोत्सव में आयोजित किए गए हैं बहुत सी खेल प्रतियोगिताएं ऐसी हैं जिसको आज की पीढ़ी लगभग भूल चुकी है क्योंकि आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यम से अपना मनोरंजन करने में समय देती है जबकि खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से आदमी शारीरिक रूप से स्वस्थ होता है और मेहनत करके आगे बढ़ता है ।

अशोक रोहाणी ने कहा कि बहुत ही हर्ष का विषय है खेल प्रतियोगिताओं में कैंट विधानसभा क्रिकेट का फाइनल मुकाबला खेलेगी जो 23 तारीख को आयोजित होगा मैं कैंट विधानसभा की क्रिकेट टीम को धन्यवाद देता हूं। इस अवसर पर रानीताल स्टेडियम में क्रीड़ा भारती के क्षेत्रीय प्रचारक भीष्म सिंह, लेखराज सिंह, संदीप जैन, महामंत्री पंकज दुबे, अंजू भार्गव, राजा मोर, विनय असाटी, योगेंद्र सिंह, राजमणि बघेल, हर्ष तिवारी, महेश राजपूत, दिलीप पटेल, दामोदर सोनी, आशीष राव, रेणु कोरी आदि उपस्थित थे।

क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची जबलपुर की कैंट एवं पनागर विधानसभा सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत क्रिकेट प्रतियोगिता में आज एक क्वार्टर फाइनल मैच हुआ जो पश्चिम विधानसभा और उत्तर विधानसभा के मध्य खेला गया। जिसमें पश्चिम विधानसभा ने 25 रनों से जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई ।पहला सेमीफाइनल मैच जबलपुर की सिहोरा एवं पनागर विधानसभा के मध्य खेला गया जिसमें सिहोरा विधानसभा की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए 63 रनों का लक्ष्य पनागर को दिया गया इस मैच में पनागर विधानसभा ने 8 विकेट से जीत हासिल करते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनल मैच कैंट एवं पश्चिम विधानसभा के मध्य खेला गया जिसमें पश्चिम विधानसभा ने कैंट को 59 रनों का लक्ष्य दिया यह मैच कैंट विधानसभा ने छह विकेट से जीता।क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 23 जनवरी को कैंट एवं पनागर विधानसभा के मध्य खेला जाएगा।

फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच आज

सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत फुटबॉल प्रतियोगिता का फाईनल मैच कल 18 जनवरी बुधवार को दोपहर 2 बजे से शिवाजी ग्राउंड सदर में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते होंगे।सुपर डिविजन फुटबॉल प्रतियोगिता का पहला सेमी फाईनल मैच युवा बॉयस् विरुद्ध यंग खालसा के मध्य खेला गया जिसमे यंग खालसा ने मैच ट्राई ब्रेकर में 03 - 01 से जीता। दूसरा मैच भारती क्लब विरुद्ध लायंस क्लब के मध्य खेला गया जिसमे लायंस क्लब ने पेनाल्टी शूट से मैच 3-2 से जीता। मैच में मिथलेश, लाखन्, रिशभ, सुरेश, रितेश, राहुल, मयंक ने निर्णायक भूमिका निभाई। प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजन प्रभारी कैंट पार्षद अमित अग्रवाल, सुमित दीवान, संदीप, अश्वनी, आशीष, नवाज़ खान, सौरभ, लकी जाटव आदि का सहयोग सराहनीय रहा।मैच के मुख्य अतिथि भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल, एसके मुद्दीन, लेखराज सिंह, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, पार्षदअमित अग्रवाल, सुजीत बैनर्जी, एम. एल. हाज़रा, डी. डी. तिलवानी, संजय वर्मा, आशीष राव, सुमित दीवान, तनिष्क राज तथा वरिष्ठ खिलाड़ी रामपाल रजक, क्रिस्टोफर नरोन्हा, एएम बहादुर, रमेश रजक, राजकुमार, सुधीर शर्मा, स्वर्ण सिंह, एसएचए नकवी, बीआर यादव, पवन, राजेश, अशोक, विशेष रूप से उपस्थित थे।

बरगी में दीवार गिरने से 2 मजूदरों की मौत , एक गंभीर रूप से घायल

जबलपुर यश भारत। बरगी थाना अंतर्गत धादरा ग्राम में आज सुबह उस समय हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई जब क्रेशर मशीन लगाए जाने का निर्माण कार्य चल रहा था इसी दौरान दीवार गिरने से मलबे में दबने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई । घटना की जानकारी लगते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सूचना पुलिस को दी गई ।

ग्रामीणों ने निकाले मलबे में दबे शव

पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई के उपरांत ग्रामीणों की सहायता से शवों को जैसे-तैसे मलबे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार धादरा ग्राम में जबलपुर निवासी दुर्गेश शर्मा द्वारा क्रेशर मशीन लगाए जाने को लेकर निर्माण कार्य चल रहा था जिसमें डंपर के माध्यम से मुरुम डाली जा रही थी जहां पर माने गांव निवासी 40 वर्षीय नारायण कोल एवं 30 वर्षीय दशरथ वरकडे के ऊपर निर्माण कार्य की दीवाल भरभरा कर गिर गई। जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । वहीं 30 वर्षीय गिरधारी उर्फ सुमेर को गंभीर रूप से चोट आने के कारण उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल रवाना किया गया।

ग्रामीणों ने की मदद

आज सुबह हुई इस घटना की जानकारी जैसे ही आसपास के ग्रामीणों को लगी तो कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई और दीवार के नीचे दबे मृतकों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

पेंटीनाका बरेला रोड पर अतिक्रमण का मामला

अवमानना याचिका पर शपथ पत्र के साथ जवाब तलब

जबलपुर । मध्य प्रदेश उच्च न्यायालचय के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमथ एवं न्यायाधीश विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने एक अवमानना याचिका पर सुनवाई

करते हुए नगर निगम आयुक्त और बरेला सीएमओ को हाईकोर्ट में शपथ पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए है। स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष एवं जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आरके सिंह सैनी द्वारा यह अवमानना याचिका दायर की गई जिसमें कहा गया है कि हाईकोर्ट के निर्देश के बाद ही पेंटीनाका से बरेला की 80 फीट चौड़ी सड़क से अतिक्रमण हटाने के आदेश का पालन नहीं किया गया। जिस पर हाईकोर्ट ने आयुक्त नगर निगम एवं सीएमओ बरेला को 2 हफ्ते के अंदर शपथ पत्र के साथ जवाब प्रस्तुत करने के आदेश दिये हैं. अवमानना याचिका में कहा गया कि पूर्व में हाईकोर्ट द्वारा एक जनहित याचिका पर आदेश पारित किए गए थे कि उक्त सड़क से अतिक्रमण हटाए जाए लेकिन इस आदेश पर अब तक अमल नहीं हुआ।

सेंट्रल इंडिया किडनी हास्पिटल के संचालक डॉ. अश्वनी पाठक और मैनेजर को हाई कोर्ट से मिली जमानत

जबलपुर, यशभारत। मप्र हाईकोर्ट जस्टिस विशाल भगत की बैंच ने सेंट्रल इंडिया किडनी हास्पिटल के संचालक डॉक्टर अश्वनी पाठक और मैनेजर की जमानत दे दी है।

अधिवक्ता नारायण दुबे, नितिन दुबे ने बताया कि न्यायालय ने धारा 467 को उचित न मानते हुए और संचालक पर लगे गबन के आरोप सिद्ध नहीं होने पर जमानत दी है। डा. पाठक पर आरोप था कि सामान्य सर्दी-जुकाम, सिर-दर्द जैसी बीमारी को गंभीर बताकर डा. अश्विनी पाठक आयुष्मान योजना में मरीजों को भर्ती कर उनका इलाज कर सरकार से पैसा वसूल करते थे।

यह था घटनाक्रम- 26 अगस्त की शाम 7 बजे एस.पी सिद्धार्थ बहुगुणा को फोन पर सूचना मिलती है कि सेंट्रल किडनी हॉस्पिटल के बाजू से स्थित होटल में मरीजों को भर्ती कर उनका आयुष्मान योजना के तहत इलाज किया जा रहा है। जिसके बाद पुलिस एवं आयुष्मान अधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से सेंट्रल इंडिया किडनी अस्पताल के बाजू में स्थित होटल में दबिश दी गयी। होटल के फस्ट फ्लोर, सेकेंड फ्लोर एवम थर्ड फ्लोर के कमरों में मरीज भर्ती मिले थे। सभी आयुष्मान कार्ड धारी थे। स्वास्थ विभाग की जाँच मे यह भी आया था कि साधारण बीमारी होने के बाद भी आयुष्मान योजना कार्ड से उन्हें भर्ती किया गया था। प्रशासन ने होटलनुमा अस्पताल को सील कर दिया जबकि सेंट्रल इंडिया किडनी अस्पताल का लायसेंस सस्पेंड कर दिया है।

1255 पदों पर भर्तियों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

जबलपुर । मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा जिला न्यायलयों में स्टेनो तथा सहायक ग्रेड तीन की 1255 भर्तियों की प्रारंभिक परीक्षा में कम्युनल आरक्षण लागू किए जाने को चुनौती दिए जाने वाली याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामलें की सुनवाई 23 जनवरी को संभावित है।

घमापुर में ताबड़तोड़ फायरिंग करने वाले दो आरोपी धराए

शहर से बाहर भागने की फिराक में थे, 7 दिन से दे रहे थे चकमा

जबलपुर, यशभारत। घमापुर थाना अंतर्गत गोपाल होटल में एक युवक के ऊपर ताबड़तोड़ पिस्टल से फायरिंग कर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया, जो सात दिन से पुलिस को चकमा दे रहे थे और शहर से बाहर भागने की योजना बना रहे थे। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गोपाल होटल के पास करीत सात दिन पहले किशोर उर्फ जानू चांदवानी से रंजिशन गालीगलौच कर दो आरोपियों ने तमंचे से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। घटना में पुलिस ने 307 सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी थी।

सिद्ध कुंड में पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद लगातार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि गुल्लू उर्फ रोहित रजक और विशाल उर्फ प्रिंस चौहान सिद्ध कुंड में शहर से बाहर भागने की योजना बना रहे है। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। जिनसे पूछताछ जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी चंद्रकांत झा सहित एसआई योगेन्द्र सहित पूरे स्टॉफ का योगदान रहा।

खमरिया के फिलिंग-2 में विस्फोट से छत उड़ी

हूटर बजते ही मची अफरातफरी, जनहानि नहीं

जबलपुर यशभारत।आयुध निर्माणी खमरिया में उस समय अफरातफरी मच गई जब फिलिंग-2के967 बिल्डिंग में विस्फोटक सामग्री के मिक्सिंग के दौरान विस्फोट हो गया।जिससे बिल्डिंग की छत उड़ गई।सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हो पाई।घटना का हूटर बजते ही पूरी निर्माणी में हड़कंप मच गया।तमाम अधिकारी और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई और थोड़े समय में ही आग पर काबू पा लिया गया. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फिलिंग-2अनुभाग के बिल्डिंग नंबर967 में आटोमेटिक मशीन में विस्फोटक सामग्री के मिलाने का काम किया जा रहा था कि तभी उसमें जोरदार विस्फोट हो गया।जानकारों के अनुसार यह मेटल फायर था। इसमें फायर तभी होता है जब

उसमें थोड़ी सी भी नमी रहती है।चूंकि वह आटोमेटिक प्लांट है अतः कर्मचारी प्रक्रिया शुरू करके बिल्डिंग से बाहर निकल गए थे।यदि वे अंदर होते तो दृश्य वीभत्स होता।सौभाग्य से सभी कर्मचारी सुरक्षित बच गये।लेकिन बिल्डिंग बुरी तरह क्षतिग्रस्त बताई जाती है।

इनका कहना है

फिलिंग-2के बिल्डिंग नंबर967 में सुबह11बजे फायर हुआ।फायर ब्रिगेड और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के कर्मचारियों ने तत्काल आग पर काबू पा लिया।फायर कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है।

एन. डी तिवारी
पी आर ओ
आयुध निर्माणी खमरिया
जबलपुर

शासकीय स्कूल में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़

जबलपुर, यशभारत। रांझी के शासकीय स्कूल में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी शोहदा पहले तो जबरन स्कूल में घुस गया और फिर सरेराह छात्रा का हाथ पकड़कर प्यार का इजहार कर दिया। छात्रा ने विरोध किया तो जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर, मामला जांच में लिया है। पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची। जिसने बताया कि वह स्कूल में अध्ययनरत है। जहां क्षेत्र का ही एक शोहदा पहुंचा और उसका हाथ पकड़कर प्यार का इजहार कर दिया। वह डर गयी। उसका शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े। जिसके बाद शोहदा फरार हो गया। पुलिस आरोपी की सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है।

शोहदे ने पकड़ लिया हाथ, की अश्लील हरकतें

श्री उमेश मिश्रा का निधन

जबलपुर, । गूँज संस्था के संस्थापक उमेश मिश्रा का बीमारी के उपरांत आज निधन हो गया । आप कवयित्री माधुरी मिश्रा के पति,मधुमेश मिश्रा एवं भवी मिश्रा के पिता थे।अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में किया गया।

विनम्र श्रद्धांजली
प्रार्थना सभा

जन्म 22.2.1941
स्वर्गवास 14.1.2023
स्व. श्रीमती चम्पा देवी सिंह जी
माताश्री स्व. श्रीमती चम्पा देवी सिंह जी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना सभा
कल दिनांक 19 जनवरी गुरुवार, 2023 को आयोजित की गई है।
समयः अपरान्ह 3. 30 से 4.30 बजे
स्थानः दद्दा परिसर, मदन महल थाने के सामने , जबलपुर
शोकाकुल परिवार
जगत बहादुर सिंह (अन्नू) महापौर, जबलपुर
श्रद्धावनत्
मनोज सेठ, संगठन मंत्री शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी, जबलपुर

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
ठण्ड के स्पेशल आइटम उपलब्ध है
→ तिली चिक्की → तिली लड्डू → तिली रेवड़ी → मूंगफली की लइया
→ रोस्टेट नमकीन → वेक्ड टोस्ट → करेला चिप्स → बिस्केट → फुल्की
→ गजक → सिंधी पापड़ → चने
मनोज संगतानी मो. 9301997304, 7987145201

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, माँसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
निर्माता/वितरक मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
9826035091

क्रिसमस एवं नूतन वर्ष की शुभकामनाएं
शॉल ही शॉल...
लक्ष्मी एम्पोरियम
• काश्मीरी • प्योरऊल • जमावार • सिप्पीवर्क • कानीवर्क • आरी वर्क
फैंसी रंग डिज़ाईन
नया स्टॉक उचित दाम
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

सांई हॉस्पिटल
इनफर्टिलिटी लेप्रोस्कोपी एवं सांई टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
डॉ. श्रीमति राखी बाजपेयी
MBBS,MS. (OBS & GYM)
टेस्ट ट्यूब बेबी, बांझपन व गायनिक एण्डोस्कापी में उच्च प्रशिक्षित
दूरबीन द्वारा ऑपरेशन से ना चीरा ना रक्तस्त्राव शीघ्र स्वस्थ जल्टी छुट्टी
Dip advanced Gynaec Endoscopy [France]
इक्सी, टेस्ट ट्यूब सेंटर, दूरबीन द्वारा बांझपन का निदान, बंद ट्यूब व टीटी ऑपरेशन खोलना, दूरबीन द्वारा बच्चादानी(टीएलएच), ओवरी की सिस्ट नली में ठहरे गर्भ व बच्चेदानी के ट्यूमर का इलाज व ऑपरेशन, कृत्रिम गर्भाधान IUI IVF ICSI व सुरक्षित गर्भपात।
सबसे सस्ता अत्याधुनिक मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा संस्थान
कांचघर चौक, रेलवे स्टेशन रोड जबलपुर-8770186650, 7987619550
पथरी, हार्निया, एपेन्डिक्स, पाइल्स, गाल ब्लेडर, बच्चेदानी, स्तन की गठान, बंद ट्यूब गर्भधान इत्यादि सभी आपेरेशन व इलाज की सुविधा

JYOTI INNER ZONE
सभी कम्पनियों के विन्टर इनर उपलब्ध
LUX cozi, AMUL MACHO, RUPA, JOCKEY, DIXCY SCOTT
1222, Main Road Ganjipura Near Super Market Jabalpur (M.P.) 0761-4038008

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
आर्यरा AaryAra (illuminate AspiratioN)
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com
www.galaxyhospitaljbp.com

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU , Mukherjee Hospital
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. चंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा चंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन,Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकौशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर | 07614038666, 7049079825 | 9300920067

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*।
फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)